दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

■ ग्वालियर ■ वर्ष : 1 ■ अंक : 269 | ग्वालियर, शनिवार 18 जून 2022 | पृष्ठ 8 ■ मूल्य : 2 रु.

पीएम मोदी वडोदरा को देंगे सेंट्रल यूनिवर्सिटी की सौगात, नए परिसर का करेंगे भूमिपूजन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज शनिवार को अपने गृह प्रदेश गुजरात के दौरे पर जा रहे है। पीएम यहां वडोदरा को सेंट्रल यूनिवर्सिटी के रूप में एक बड़ी सौगात देने जा रहे हैं। इस दिन पीएम गांधीनगर के सेंट्रल यूनिवर्सिटी के नए कैंपस का भूमि पूजन करेंगे। अपने दौरे पर पीएम जल वितरण संबंधी कई विकास परियोजनाओं का भी उद्घाटन और भूमि पूजन करेंगे। गौरतलब है कि पिछले दो महीने में यह प्रधानमंत्री का चौथा गुजरात दौरा होगा, जहां वे विभिन्न विकास परियोजनाओं को जनता को समर्पित करने जा रहे हैं। गुजरात की राजधानी गांधीनगर में स्थित सेंट्रल यूनिवर्सिटी के नए कैंपस को 743 करोड़ रुपए की लागत से वडोदरा के पास डभोई तालुका के कुंढेला गांव में निर्मित किया जाएगा। राज्य सरकार ने इस परियोजना के लिए 100 एकड़ ज़मीन आवंटित की है। गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति, डॉ. रमाशंकर दुबे ने इस प्रोजेक्ट बारे में बताया कि, 'गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय का यह नया कैंपस पूर्णतः आवासीय, हरित परिसरवाला तथा आधुनिक सुविधाओं से युक्त होगा जहां ढाई हजार छात्र एक साथ शिक्षा ग्रहण कर सकेंगे। विश्वविद्यालय के नए कैंपस का मुख्य द्वार गुजरात राज्य की समृद्ध संस्कृति का प्रतीक होगा। इस प्रोजेक्ट का पहला चरण दिसम्बर 2023 में पूरा कर लिया जाएगा।' गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार प्रो. एचबी पटेल ने नए कैंपस की विशेषताओं के बारे में जानकारी देते हुए कहा, 'विश्वविद्यालय के नए कैंपस में 5 बड़े शैक्षणिक ब्लॉक होंगे, जिसमें स्कूल ऑफ केमिकल साइंसेज, लाइफ साइंसेज, नैनो साइंस, इन्वायर्मेन्टल एंड सस्टेनेबल डेवलपमेन्ट, अप्लाइड मटेरियल्स साइंस, राष्ट्रीय सुरक्षा, अंतर्राष्ट्रीय संबंध, और प्रवासी अध्ययन जैसे कई विशेष विषय शामिल होंगे। प्रयोगशालाएं और सभी व्याख्यान कक्ष अंतरराष्ट्रीय स्तर के होंगे और आधुनिक उपकरणों से युक्त होंगे।' गुजरात की शिक्षा व्यवस्था के बारे में बात करते हुए मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने कहा, 'प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक, तकनीकी शिक्षा से लेकर सेक्टर स्पेसिफिक एजुकेशन सेक्टर तक, आदरणीय मोदी जी ने गुजरात में शिक्षा क्षेत्र का 360 डिग्री विकास किया है। इसके पहले भी कुछ महीने पूर्व प्रधानमंत्री जी ने राष्ट्रीय रक्षा शक्ति यूनिवर्सिटी और फॉरेन्सिक साइंस यूनिवर्सिटी को राष्ट्रीय दर्जा देकर गुजरात को एक बड़ा उपहार दिया था। सेंट्रल यूनिवर्सिटी का यह नया कैंपस हमारी नई युवा पीढ़ी के लिए न केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को सुनिश्चित करेगी बल्कि यह उनके लिए राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कई बड़े अवसर भी प्रदान करेगी।' प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपने इस गुजरात दौरे पर कई विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन और भूमि पूजन करेंगे। इसमें जल वितरण से संबंधित 660 करोड़ रुपए की लागत वाली कई परियोजनाएं भी शामिल हैं। पीएम इस दिन 395 करोड़ रुपए से अधिक के जल वितरण परियोजनाओं का लोकार्पण और लगभग 264 करोड़ रुपए के जल वितरण प्रोजेक्ट्स का ई-शिलान्यास करेंगे, जिसका लाभ राज्य के लगभग 16 लाख से अधिक लोगों को होगा।

कन्नूर-त्रिवेंद्रम उड़ान में प्रदर्शन से संबंधित घटना की जांच हो रही : सिंधिया

मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के खिलाफ की नारेबाजी

नई दिल्ली। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि उनका मंत्रालय इंडिगो की कन्नूर-त्रिवेंद्रम उड़ान में केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के खिलाफ प्रदर्शन से संबंधित घटना की जांच कर रहा है। इसके मुताबिक दो युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विजयन के खिलाफ कथित तौर पर कन्नूर-त्रिवेंद्रम उड़ान में नारे लगाए थे। इसके बाद वाम लोकतांत्रिक मोर्चे के एक नेता ने दोनों को धक्का दिया था। कांग्रेस सांसद हिबी ईडन ने कहा, इस वीडियो में स्पष्ट रूप से एलडीएफ के संयोजक ईपी जयराजन को नारे लगाने वाले दो यात्रियों के साथ हाथापाई और धक्का देते हुए दिखाया गया है। ऐसा क्यों है कि इंडिगो, नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए), विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया उनके खिलाफ प्राथमिकी नहीं दर्ज कर रहे हैं। क्या नए भारत में न्याय चुनिंदा लोगों के लिए है?

अग्निपथ' योजना को वापस लेकर युवाओं से मॉफी मांगे पीएम नरेन्द्र मोदी, कांग्रेस की मांग

नई दिल्ली। कांग्रेस ने 'अग्निपथ' योजना को देशहित के विरूद्ध करार देकर कहा कि इस योजना को तत्काल वापस ले और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं सरकार को देश के नौजवानों से माफी मांगनी चाहिए। कांग्रेस ने कहा कि सेना की भर्ती की आयुसीमा में तीन साल की छूट दी जाए तथा जरूरत पड़े तब रक्षा एवं सेना से जुड़े पूरे मामले पर चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र या सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने ट्वीट किया, अग्निपथ- नौजवानों ने नकारा, कृषि कानून -किसानों ने नकारा, नोटबंद-अर्थशास्त्रियों ने नकारा, जीएसटी-व्यापारियों ने नकारा। उन्होंने आरोप लगाया, देश की जनता क्या चाहती है, ये बात प्रधानमंत्री नहीं समझते क्योंकि उन्हें अपने 'मित्रों' की आवाज के अलावा कुछ सुनाई नहीं देता। पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने ट्वीट किया, 24 घंटे भी नहीं बीते कि मोदी सरकार को नई आर्मी भर्ती का नियम बदलना पड़ा। मतलब, योजना जल्दबाजी में युवाओं पर थोपी जा रही है।÷ उन्होंने कहा, नरेंद्र मोदी जी, इस योजना को तुरंत वापस लीजिए, वायुसेना की रुकी भर्तियों में नियुक्ति और परिणाम दीजिए। सेना भर्ती को (आयु में छूट देकर) पहले की तरह कीजिए। कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा, ''यह योजना सेना के हित में नहीं है। यह भारत के हित में नहीं है। इस सरकार को दूसरे देशों की नकल करने की आदत हो गई है। वह सेना और देश के हितों के साथ खिलवाड़ नहीं कर सकती। उनका कहना है, सेना में दो लाख से अधिक पद खाली हैं। भर्ती प्रक्रिया तत्काल आरंभ की जाए। देश की सुरक्षा, सेना और देशभक्ति की भावना में कोई वाणिज्यिक हित नहीं हो सकता।'' हुड्डा ने केंद्र से आग्रह किया, अग्निपथ योजना को अविलंब वापस लिया जाए। भर्ती की आयुसीमा में तीन साल की छूट दी जाए क्योंकि तीन साल से भर्ती नहीं हुई। जिन काबिल नौजवानों ने आत्महत्या की, उनके परिवारों को मुआवजा दे। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री, रक्षामंत्री और पूरी सरकार देश के नौजवानों से माफी मांगे। हुड्डा ने कहा, सरकार को सेना पर राजनीति नहीं करनी चाहिए। राष्ट्रनीति के तहत काम करना चाहिए।

मोदी सरकार की 'अग्निपथ' योजना, देश के करोड़ों युवाओं के साथ क्रूर मजाकः नाना पटोले

मुंबई। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने अग्निपथ योजना के नाम से एक और विचारहीन और मनमाना फैसला लेकर देश के करोड़ो युवाओं के साथ क्रूर मजाक किया है। मोदी सरकार पर

यह हमला महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने किया है। उन्होंने कहा कि अग्निपथ के तहत सेना में केवल 4 साल की सेवा का मतलब है कि युवाओं के भविष्य को अंधकार में धकेलना है। पटोले ने कहा कि इन युवकों को चार साल की सेवा के बाद फिर से बेरोजगारी का सामना करना पड़ेगा। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ने कहा कि यह फैसला देश के बेरोजगार युवाओं के साथ एक क्रूर मजाक है। इस संबंध में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा हर साल 2 करोड़ लोगों को रोजगार देने का वादा चुनावी हथकंडा साबित हुआ है और युवाओं को नौकरी के नाम पर ठगा गया है। वर्तमान में केंद्र सरकार में 62 लाख 29 हजार रिक्तियां हैं, जिनमें से 2 लाख 55 हजार रिक्तियां भारतीय सेना में हैं। उनमें से केवल 46,000 की भर्ती का निर्णय बड़ी धूमधाम से किया गया है। छह महीने की ट्रेनिंग और फिर 3.5 साल की नौकरी और सिर्फ 30 से 40 हजार रुपए की सैलरी।

गैंगस्टर लॉरेंस ने कहा, फिरौती का धंधा कब गैंगवार में बदला, पता ही नहीं चला

चंडीगढ़। सिद्धू मूसेवाला के कत्ल केस में दिल्ली से लाए गए गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई से पंजाब पुलिस की पूछताछ जारी है। इस बीच लॉरेंस ने अपनी जिंदगी और ग्रुप के बारे में खुलासा किया है कि वह और उसका ग्रुप पहले सिर्फ फिरौती का काम करता था। उनके टारगेट पर कभी कोई एक व्यक्ति नहीं रहा। लॉरेंस ने पुलिस को बताया कि फिरौती का धंधा कब गैंगवार में बदल गया इसका पता ही नहीं चला। बिश्नोई ने कहा कि शुरुआती दौर में पंजाबी म्यूजिक इंडस्ट्री की बड़ी हस्तियां उसके ग्रुप के निशाने पर रहीं। ज्यादा से ज्यादा पैसों की वसूली के लिए उनका ग्रुप बड़ी हस्तियों के फेसबुक अकाउंट ट्रैक करता था, इसके बाद यह तय किया जाता था कि किस कलाकार से कितनी फिरौती वसूल करनी है। इसमें किसी तरह की रंजिश की कोई जगह नहीं थी। लॉरेंस ने माना कि कई दिग्गज कलाकारों से उसके गैंग ने फिरौती वसूल की है। पुलिस पूछताछ में लॉरेंस ने बताया कि पंजाब के 6 जिलों सहित हिमाचल के बद्दी में भी कारोबारियों, कलाकारों से 5 से 50 लाख तक की फिरौती वसूली गई है। जख्मी गैंगस्टरों के इलाज के लिए भी 15 लाख तक मांगे हैं। मोहाली, लुधियाना, जालंधर, अमृतसर और मालवा बेल्ट के कारोबारी, कलाकार भी उसके ग्रुप के निशाने पर रहे हैं।

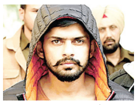

भागलपुर में अग्नीपथ योजनाओं का छात्रों ने जमकर विरोध प्रर्दशन करते हुए टायर जलाकर आगजनी और हंगामा किया, कहलगांव में ट्रेनें रोकी

भागलपूर। भागलपुर जिला के सुलतानगंज रेलवे ट्रेक पर अगनी पथ योजनाओं के विरोध मे केन्द्र सरकार के खिलाफ छात्रों का आंदोलन जारी को लेकर तीन ट्रेन रद्द है । कहलगांव में सुबह से जयनगर हावड़ा डाउन ट्रेन को घंटो छात्रों ने रोके रखा सुल्तानगंज में रेल और स्थानीय प्रशासन आनदोलन कारी छात्रों को समझाने मे जुटी हैं, लेकिन छात्रों का गुस्सा आसमान पर होने पर रेलवे ट्रैक पर सिमेंट का चाभी बोक्स रखकर कर विरोध प्रर्दशन किया। आनदोलन कारी छात्रों ने रेलवे स्टेशन मे प्रर्दशन कर सुलतानगंज चौक बाजार में टायर जलाकर आगजनी कर छात्रों ने अग्निपथ योजनाओं का जमकर नारेबाजी हंगामा कर विरोध प्रर्दशन करते हुए पुरे शहर में भ्रमण किये। जिले के कहलगांव रेलवे स्टेशन पर भी प्रदर्शनकारी छात्र ट्रैक को जाम कर जमकर नारेबाजी किया और जयनगर हावड़ा ट्रेन को रोके रखा। इस संबंध में पूछे जाने पर कहलगांव स्टेशन प्रबंधक वीरेंद्र कुमार मंडल ने बताया कि 3¬55 बजे तक ट्रेन रुकी रही। उन्होंने कहा कि अब सब कुछ सामान्य हैं। वही प्रदर्शन को देखते हुए कहलगांव एसडीपीओ नीरज कुमार सिंह, अनुमंडल पदाधिकारी मधुकांत सहित भारी संख्या में पुलिस , रेल पुलिस कहलगांव स्टेशन पर मौजूद रहें। जाम को लेकर कई ट्रेनें विभिन्न स्टेशनों पर खड़ी है। इस दौरान आनदोलन कारी छात्रों ने मिडिया को बताया कि केन्द्र सरकार होश मे आओ, छात्रों के साथ दुर्व्यवहार नही करे ,अगनी पथ योजना वापस लें , नहीं तो पुरे शहर मे आग लगेगी ।

खास खबर

बारातियों को नहीं मिली रसमलाई टूट गई शादी, पुलिस में एफआईआर दर्ज

संभल। बिटिया की शादी को लेकर घर में खुशियों का माहौल था। दुल्हन हाथों में मेहंदी लगाए और लाल जोड़े में हजारों सपने संजोए बैठी थी। परिवार में नाच-गाना चल रहा था। बारात भी तय समय पर पहुंची और बारातियों का जोरदार स्वागत किया गया। लेकिन शादी में आए दूल्हे के कुछ दोस्तों और रिश्तेदारों ने शराब पी रखी थी और वहां बार-बार रसमलाई की डिमांड कर रहे थे। रसमलाई न मिलने से विवाद इतना बढ़ गया कि शादी ही टूट गई। संभल जिले का यह पूरा मामला है। यहां एक गांव में बारातियों और घरातियों के बीच छोटी-सी बात पर बवाल इतना मच गया कि शादी ही टूट गई। दुल्हन पक्ष ने जब चार लोगों के खिलाफ थाने में एफआईआर दर्ज कराई, तब अगले दिन शादी हुई। यह घटना 15 जून की है। दुल्हन पक्ष ने बारातियों के स्वागत के लिए पूरा इंतजाम किया था। लेकिन रसमलाई न मिलने पर विवाद इतना बढ़ गया कि बारात दुल्हन को विदा करवाए बिना ही लौट गई। इससे दुल्हन के परिवार की खुशियां काफूर हो गई। दुल्हन पक्ष ने चार लोगों के खिलाफ थाने में एफआईआर दर्ज कराई। इसके बाद दूसरे दिन 16 जून को दूल्हे पक्ष और दुल्हन पक्ष के बीच बातचीत होकर समझौता हुआ। फिर से दोनों परिवारों ने अधूरी शादी कराई और दुल्हन की विदाई हुई।

15 हजार की राशि के भुगतान पर ओटीपी नहीं हैं आवश्यक : आरबीआई

नई दिल्ली। बैंकों की शीर्ष नियामक संस्था भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बिना ओटीपी के 15 हजार रुपये तक की राशि पर ऑटो डेबिट के नियम को लागू कर दिया है। इस नए नियम के तहत 15 हजार रुपये तक का भुगतान होने की स्थिति में आपको वेरिफाई या मंजूरी के लिए ओटीपी एंटर करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। 10 हजार थी सीमा- अब तक यह नियम 10 हजार रुपये के लिए था। इससे अधिक रकम की ऑटो डेबिट होने पर यूजर को वेरिफाई करने के लिए ओटीपी एंटर करना अनिवार्य था। अब इस लिमिट को 5 हजार रुपये बढ़ाकर 15 हजार कर देने से उन यूजर्स को बड़ी राहत मिलेगी, जिन्हें अधिक भुगतान करना होता है। इसमें डेबिट, क्रेडिट कार्ड या मोबाइल वॉलेट आदि से भुगतान करना शामिल है। बीते दिनों आरबीआई ने मौद्रिक नीति की समीक्षा के बाद इस नए नियम के बारे में जानकारी दी थी। अब इसको लेकर आरबीआई ने एक सर्कुलर जारी कर दिया है। आरबीआई के मुताबिक इस सुविधा को लेकर लोगों की दिलचस्पी बढ़ी है और अब तक इस ढांचे के तहत 6.25 करोड़ से अधिक मैंडेट रजिस्टर्ड किए गए हैं, जिसमें 3,400 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय व्यापारी शामिल हैं। इस सुविधा के तहत बैंक को भुगतान के दिन से 24 घंटे पहले मैसेज, ईमेल आदि के जरिए जानकारी देना जरूरी है।

डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम को एक महीने की पैरोल पहुंचे बरनावा आश्रम

नई दिल्ली। जेल में बंद डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह को एक महीने की पैरोल मिल गई है। राम रहीम सिंह 2017 में बलात्कार के मामलों में दोषी ठहराए जाने के बाद से हरियाणा के रोहतक की जेल में बंद थे। रोहतक जेल के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने जानकारी देते हुए कहा था कि उन्हें एक महीने की पैरोल मिली है और वह शुक्रवार को जेल से बाहर गए। डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह एक महीने की पैरोल मिलने के बाद शुक्रवार तड़के ही कड़ी सुरक्षा के बीच बागपत के बरनावा स्थित डेरा सच्चा सौदा आश्रम पहुंचे। बताया गया है कि पैरोल के एक महीने की अवधि राम रहीम सिंह इसी आश्रम में पूरी करनी है। इससे पहले फरवरी में डेरा प्रमुख को तीन सप्ताह की छुट्टी दी गई थी। बागपत पुलिस ने भी उनकी सुरक्षा को आश्रम पर भारी पुलिस फोर्स तैनात कर दिया है। मिली जानकारी के अनुसार अपनी पैरोल अर्जी में इस बार गुरमीत राम रहीम सिंह ने बागपत के बरनावा आश्रम में रहने की बात रखी थी।

स्विस बैंकों में भारतीयों का धन बढ़कर 30,500 करोड़ हुआ

वर्ष 2020 के अंत तक स्विस बैंकों में भारतीय का धन 2.55 अरब स्विस फ्रैंक था

नई दिल्ली। स्विट्ज़रलैंड के बैंकों में भारतीयों कंपनियों और लोगों का धन 2021 के दौरान 50 प्रतिशत बढ़कर 14 साल के उच्चस्तर 3.83 अरब स्विस फ्रैंक (30,500 करोड़ रुपए से अधिक) पर पहुंच गया है। इसमें भारत में स्विट्ज़रलैंड के बैंकों की शाखाओं और अन्य वित्तीय संस्थानों में जमा धन भी शामिल है। स्विट्ज़रलैंड के केंद्रीय बैंक (एसएनबी) की तरफ से जारी वार्षिक आंकड़ों के अनुसार, प्रतिभूतियों समेत इससे जुड़े साधनों के जरिये हिस्सेदारी तथा ग्राहकों की जमा बढ़ने से स्विस बैंकों में भारतीयों का धन बढ़ा है।इससे पहले वर्ष 2020 के अंत तक स्विट्ज़रलैंड के बैंकों में भारतीय का धन 2.55 अरब स्विस फ्रैंक (20,700 करोड़ रुपए) था। इसके अलावा, भारतीय ग्राहकों के बचत या जमा खातों में जमा राशि दो साल की गिरावट की बाद 2021 में लगभग 4,800 करोड़ रुपए के सात साल के उच्चस्तर पर पहुंच गई। आंकड़ों के अनुसार स्विट्ज़रलैंड के बैंकों पर 2021 के अंत तक भारतीय ग्राहकों की कुल देनदारी 383.19 करोड़ स्विस फ्रैंक है। इसमें से 60.20 करोड़ स्विस फ्रैंक ग्राहकों की जमा राशि के रूप में हैं, जबकि 122.5 करोड़ स्विस फ्रैंक अन्य बैंकों के जरिये रखे गए हैं और 30 लाख स्विस फ्रैंक न्यासों आदि के जरिये है। ये आंकड़े स्विट्ज़रलैंड की बैंकों की तरफ से एसएनबी को दिए गए है। ये स्विस बैंकों में कथित रूप से भारतीयों के काले धन को नहीं दर्शाते हैं। इन आंकड़ों में वह धन भी शामिल नहीं है जो भारतीयों, प्रवासी भारतीयों या अन्य लोगों के पास स्विस बैंकों में किसी तीसरे देश की इकाइयों के नाम पर हो सकता है।

स्विस सरकार हालांकि स्विट्ज़रलैंड के बैंकों में जमा भारतीयों के धन को काला धन नहीं मानती है। स्विट्ज़रलैंड का कहना है कि उसने कर चोरी के खिलाफ लड़ाई में हमेशा सक्रिय रूप से भारत का समर्थन किया है। आंकड़ों के अनुसार विदेशी ग्राहकों की बात की जाए, तो स्विस बैंकों में ब्रिटेन का 379 अरब स्विस फ्रैंक जमा है, जो सबसे अधिक है। इसके बाद अमेरिका के ग्राहकों का स्विस बैंकों में 168 अरब स्विस फ्रैंक है।

पाकिस्तान भारत को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा, तब उसे करारा जवाब मिलेगा : राजनाथ

जम्मू। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जम्मू कश्मीर के दो दिवसीय दौरे पर थे। इस दौरान उन्होंने सबसे पहले पूर्वी लद्दाख स्थित गलवान घाटी में 2 वर्ष पहले शहीद हुए सैनिकों को श्रद्धांजलि दी थी। वहीं शुक्रवार को रक्षा मंत्री सिंह ने जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के साथ मिलकर पहलगाम में जवाहर इंस्टीट्यूट ऑफ माउंटेनियरिंग एंड विंटर स्पोर्ट्स में बोल्डर क्लाइम्बिंग वॉल और हिमालयन म्यूजियम का उद्घाटन किया। इस दौरान राजनाथ ने कहा कि मुझे बताया गया है कि इस संस्थान ने स्कीइंग प्रशिक्षण में अपना नाम कमाया है, जबकि यह पर्वतारोहण और अन्य खेलों के लिए भी प्रशिक्षण प्रदान करता है। कई महिलाएं भी अब यहां प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं। यहां प्रशिक्षण कार्यक्रमों की सदस्यता ली जाती है। कुल मिलाकर राजनाथ सिंह अपने दौरे के दौरान आम लोगों को संदेश देने की कोशिश करते रहे कि भारत सरकार आम कश्मीरियों की सुरक्षा के साथ-साथ विकास के लिए पूरी तरह से प्रतिबंध है। साथ ही रक्षामंत्री ने पाकिस्तान को भी कड़ी चेतावनी दे दी। रक्षा मंत्री ने साफ तौर पर कह दिया कि अगर पाकिस्तान भारत को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा, तब उस करारा जवाब दिया जाएगा। राजनाथ ने कहा कि पाकिस्तान 'हजारों जख्म देकर भारत को लहूलूहान करने' के अपने रवैये से जम्मू-कश्मीर में शांति भंग करने की लगातार कोशिश कर रहा है। उन्होंने पाकिस्तान को चेतावनी दी कि यदि भारत की एकता और अखंडता को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया गया, तब इसका करारा जवाब दिया जाएगा। सिंह ने बारामूला जिले में सुरक्षाबलों को संबोधित कर कहा, ''हमारे पड़ोसी (पाकिस्तान) ने हमेशा भारत-विरोधी गतिविधियों का सहारा लिया है। राज्य में पहले भी आतंकी गतिविधियां देखी गई हैं। पाकिस्तान हजार जख्म देकर भारत को लहूलूहान करने के अपने रवैये से देश में शांति भंग करने की कोशिश कर रहा है।''

आतंकवादी अब्दुल रहमान मक्की को चीन क्यों बचा रहा ?

यूएन की काली सूची में डालने की हो रही कवायद

जिनेवा। पाकिस्तान के साथ चीन का याराना इस कदर हावी है कि वह पाकिस्तानी आतंकवादी अब्दुल रहमान मक्की को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की प्रतिबंधित सूची में शामिल करने के अमेरिका एवं भारत के संयुक्त प्रस्ताव को आखिरी क्षण में बाधित कर दिया। अमेरिका और भारत ने सुरक्षा परिषद की अल कायदा प्रतिबंध समिति के तहत मक्की को एक वैश्विक आतंकवादी घोषित किए जाने के लिए संयुक्त प्रस्ताव पेश किया था। अमेरिका पहले ही मक्की को आतंकवादी घोषित कर चुका है। मक्की लश्कर-ए-तैयबा के सरगना एवं 26/11 मुंबई हमलों के मुख्य साजिशकर्ता हाफिज सईद का रिश्तेदार है। ऐसा बताया जा रहा है कि भारत और अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की 1267 आईएसआईएल (दाएश) और अल कायदा प्रतिबंध समिति के तहत मक्की को वैश्विक आतंकवादी घोषित किए जाने के लिए एक संयुक्त प्रस्ताव पेश किया था, लेकिन चीन ने इस प्रस्ताव को अंतिम क्षण में बाधित कर दिया। पाकिस्तान के मित्र देश चीन ने भारत और उसके सहयोगियों द्वारा पाकिस्तानी आतंकवादियों को सूचीबद्ध करने के प्रयासों को इससे पहले भी कई बार बाधित किया है। भारत ने मई 2019 में संयुक्त राष्ट्र में एक बड़ी राजनयिक जीत हासिल की थी, जब वैश्विक निकाय ने पाकिस्तान स्थित जैश-ए-मोहम्मद के प्रमुख मसूद अजहर को 'वैश्विक आतंकवादी' घोषित कर दिया था। ऐसा करने में भारत को करीब एक दशक का समय लग गया था। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के 15 सदस्यीय निकाय में चीन एक मात्र ऐसा देश था।

न्यूज़ ट्रैक....

भारतीय टीम के दौरे से पहले आयरलैंड को झटका , दिग्गज खिलाड़ी पोर्टरफील्ड ने संन्यास लिया

मुम्बई ।भारतीय क्रिकेट टीम के दौरे से पहले ही आयरलैंड टीम को करारा झटका लगा है। आयरलैंड के सबसे सफल कप्तान विलियम पोर्टरफील्ड ने खेल को अलविदा कह दिया है। 37 साल के पोर्टरफील्ड ने आयरलैंड की ओर से 200 से अधिक मैच खेले हैं। वह आयरलैंड के सबसे सफल कप्तान भी रहे हैं। पोर्टरफील्ड आयरलैंड की ओर से एकदिवसीय में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों में दूसरे नंबर पर हैं। वहीं सबसे ज्यादा रनों के मामले में पहले नंबर पर केविन ओब्रायन भी हैं। आयरलैंड को भारत के खिलाफ 26 और 28 जून को टी20 मैच खेलने हैं।पोर्टरफील्ड ने 212 इंटरनेशनल मैच खेले और इनमें से 172 में कप्तानी की है। पोर्टरफील्ड ने सबसे ज्यादा 148 एकदिवसीय मैच खेले हैं। जिसमें उन्होंने 61 टी20 मैच और 3 टेस्ट मैच भी खेले हैं। पोर्टरफील्ड ने 148 एकदिवीसय मैच खेलकर 4343 रन बनाए। इनमें 11 शतक भी शामिल हैं। उन्होंने 61 टी20 मैच में 1079 रन भी बनाए हैं।

राहुल इंग्लैंड दौरे से बाहर हुए, इलाज के लिए जर्मनी जाएंगे

मुंबई । बल्लेबाज लोकेश राहुल फिट नहीं होने के कारण इंग्लैंड दौरे से बाहर हो गए हैं। राहुल अभी एनसीए में रिहैबिलिटेशन के दौर से गुजर रहे हैं। अब कहा गया है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) राहुल को ग्रोइन इंजरी के लिए इलाज के लिए जर्मनी भेजने जा रहा है। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने कहा, ' हां राहुल को इलाज के लिए जर्मनी भेजा जा रहा है। % वह इस माह के अंत तक या जुलाई की शुरुआत में जर्मनी रवाना होंगे। जर्मनी में इलाज करवाने से यह साफ है कि वह इंग्लैंड दौरे से पूरी तरह से बाहर हो गये हैं। भारतीय टीम इंग्लैंड दौरे में एक टेस्ट के अलावा एकदिवसीय और टी20 मैचों की सीरीज भी खेलेगी। गुरुवार सुबह भारतीय टीम का एक जत्था एजबेस्टन टेस्ट के लिए इंग्लैंड रवाना हो गया। इंग्लैंड दोरे के लिए तीन टी20 और तीन एकदिवसीय मुकाबलों सहित सात मैचों की सीरीज में राहुल को उपकप्तान बनाया गया था पर अब ये जिम्मेदारी किसी अन्य खिलाड़ी को देनी होगी। राहुल को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अभ्यास के दौरान चोट लग गयी थी।

अमेरिकी ओपन में खेल सकेंगे रुसी और बेलारूसी खिलाड़ी

न्यूयॉर्क ।अब रूस और बेलारूस के टेनिस खिलाड़ी भी 29 अगस्त से शुरू अमेरिकी ओपन में खेल सकेंगे। अमेरिकी ओपन के आयोजकों ने कहा कि सरकारों के फैसलों के लिए खिलाड़ियों को दोष नहीं दिया जा सकता। इससे पहले रुस के यूक्रेन पर हमले के बाद से ही रुस और बेलारूस के खिलाड़ियों को विभिन्न खेल स्पर्धाओं से प्रतिबंधित कर दिया गया है। इसी कारण विम्बलडन ने भी इन देशों के खिलाड़ियों को प्रतिबंधित कर दिया गया था पर अमेरिकी ओपन में रूस और बेलारूस के खिलाड़ी खेलते नजर आ सकते हैं। अमेरिकी टेनिस संघ (यूएसटीए) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और कार्यकारी निदेशक लियू शेर ने में कहा कि यूएसटीए बोर्ड ने रूस और बेलारूस के खिलाड़ियों को टूर्नामेंट में प्रवेश देने का फैसला किया है क्योंकि व्यक्तिगत खिलाड़ियों को उनकी सरकारों के कार्यों और फैसलों के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता।

राष्ट्रमण्डल खेलों के लिए भारत की 37 सदस्यीय एथलेटिक्स टीम घोषित, नीरज करेंगे नेतृत्व

नई दिल्ली । भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने आगामी राष्ट्रमण्डल खेलों के लिए भारत की 37 सदस्यीय एथलेटिक्स टीम घोषित कर दी है। इस टीम का नेतृत्व ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा करेंगे। चयनित खिलाड़ियों में अनुभवी हिमा दास और दुती चंद सहित 18 महिला खिलाड़ी भी शामिल हैं हिमा ओर दुती को महिलाओं की 4 गुणा 100 मीटर रिले टीम में जगह दी गई है।

चयनकर्ताओं ने पुरुष 4 गुणा 400 मीटर रिले टीम का भी चयन किया है। इसमें 3000 मीटर स्टीपलचेज का राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ने वाले अविनाश साब्ले को भी जगह मिली है। इसके अलावा दो बार 100 मीटर का अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ने वाली ज्योति याराजी को भी टीम में जगह मिली है। राष्ट्रीय अंतर राज्यीय चैंपियनशिप में 14.14 मीटर के प्रयास के साथ त्रिकूद में अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ने वाली ऐश्वर्या बाबू को भी टीम में जगह मिली है। हैरानी की बात है कि 200 मीटर में राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक अमलान बोरगोहेन को टीम में जगह नहीं मिली है। चयनित खिलाड़ियों को राष्ट्रमण्डल खेलों से पहले अपनी फॉर्म और फिटनेस हासिल करनी होगी। अनुभवी चक्का फेंक खिलाड़ी सीमा पूनिया को भी अतीत में उनके प्रदर्शन को देखते हुए पांचवीं बार इस खेलों में भाग लेने का अवसर दिया गया है। पुरुष त्रिकूद के लिए अब्दुल्ला अबुबाकर, प्रवीण चित्रावेल और एल्दोसे पॉल को टीम में जगह मिली है.

टीम इस प्रकार है- पुरुष- अविनाश साब्ले (3000 मीटर स्टीपलचेज), नितेंदर रावत (मैराथन), एम श्रीशंकर और मोहम्मद अनीस याहिया (लंबी कूद), अब्दुल्ला अबुबाकर, प्रवीण चित्रावेल और एल्दोसे पॉल (त्रिकूद), तेजिंदरपाल सिंह तूर (गोला फेंक); नीरज चोपड़ा, डीपी मनु और रोहित यादव (भाला फेंक), संदीप कुमार और अमित खत्री (पैदल चाल); अमोज जैकब, नोह निर्मल टॉम, अरोकिया राजीव, मोहम्मद अजमल, नागनाथन पांडी और राजेश रमेश (चार गुणा 400 मीटर रिले).

महिला- एस धनलक्ष्मी (100 मीटर और चार गुणा 100 मीटर रिले), ज्योति याराजी (100 मीटर बाधा दौड़), ऐश्वर्या बी (लंबी कूद और त्रिकूद) और एंसी सोजन (लंबी कूद), मनप्रीत कौर (गोला फेंक), नवजीत कौर ढिल्लों और सीमा अंतिल पूनिया (चक्का फेंक), अन्नु रानी और शिल्पा रानी (भाला फेंक), मंजू बाला सिंह और सरिता रोमित सिंह (तार गोला फेंक), भावना जाट और प्रियंका गोस्वामी (पैदल चाल), हिमा दास, दुती चंद, श्रावणी नंदा, एमवी जिलाना और एनएस सिमी (4 गुणा 100 मीटर रिले)।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आज जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

शाम सात बजे शुरू होगा मैच

राजकोट । भारतीय क्रिकेट टीम शुक्रवार को मेहमान टीम दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाले चौथे टी20 मैच में जीत के इरादे से उतरेगी। तीसरे टी20 में मिली जीत से भारतीय टीम ने सीरीज में वापसी की थी और अब उसका लक्ष्य इस सिलसिले को आगे बढ़ाना रहेगा। भारतीय टीम को इस मैच में अगर जीत दर्ज करनी है तो कप्तान ऋषभ पंत को बड़ी पारी खेलनी होगी। अब तक हुए तीनों मैचों में वह रन नहीं बना पाये हैं। भारतीय टीम पांच मैचों की इस सीरीज में 2-1 से पीछे है , ऐसे में यह मैच भारतीय टीम के लिए बेहद अहम है। इस मैच में अगर भारतीय टीम हारती है तो सीरीज उसके हाथ से निकल जाएगी। इस मैच में भारतीय टीम के बल्लेबाजों के साथ ही गेंदबाजों को भी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। ऋषभ अगर इस मैच में बड़ी पारी खेलते हैं तो भारतीय टीम बड़ा स्कोर बनाने में सफल रहेगी और मध्यक्रम पर दबाव भी घटेगा जिससे निचले क्रम के खिलाड़ी तेजी से रन बना सकेंगे। बीच के ओवरों में दबाव से बचा जा सके। पहले दो मैचों में भारतीय टीम की हार के कारण ऋषभ की कप्तानी पर भी सवाल उठे हैं और ऐसे में वह इस मैच में भारतीय टीम को शानदार जीत दिलाना चाहेंगे। पिछले दो मैचों में भारतीय कप्तान को दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों ने खेलने का अवसर नहीं दिया। ऐसे में इस मैच में वह उस कमी से दूर करना चाहेंगे।

तीसरे मैच की तरह ही टीम को इस मैच में भी रूतुराज गायकवाड़ और ईशान किशन से अच्छी शुरुआत की उम्मीद रहेगी। ईशान ने पहले दो मैचों में अच्छी बल्लेबाजी करके सलामी बल्लेबाज के तौर पर अपने को निखारा है। उपकप्तान हार्दिक पंड्या शानदार फार्म में हैं और इस सिलसिले को इस मैच में भी बनाये रखना चाहेंगे। वहीं बल्लेबाज

श्रेयस अय्यर भी इस मैच में अच्छी बल्लेबाजी करना चाहेंगे। अब तक हुए दोनो ही मैचों में अय्यर रन बनाने में असफल रहे हैं। अब टीम को उनसे तीसरे नंबर पर अच्छी बल्लेबाजी की उम्मीद रहेगी। इस मैच में मध्यक्रम के बल्लेबाजों को भी अपनी जिम्मेदारी ठीक से निभानी होगी। पिछले मैच में अच्छी शुरूआत के बाद भी बीच के ओवरों में भारतीय टीम रनों के संघर्ष करती दिखी थी हालांकि हार्दिक ने तेजी से रन बनाकर टीम को संभाला ओर अच्छे स्कोर तक पहुंचाया। तीसरे मैच में स्पिनर युजवेंद्र चहल और अक्षर पटेल और हर्षल पटेल ने अच्छा प्रदर्शन किया था। अक्षर ने बल्लेबाजों पर अंकुश लगाकर दबाव बना जबकि चहल ओर हर्षल ने विकेट लिए। पिछले मैच में तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने अच्छी गेंदबाजी की थी , वहीं आवेश खान ने कसी हुई गेंदबाजी कर मेहमान टीम को रन बनाने का अवसर नहीं दिया। दूसरी ओर मेहमान टीम दक्षिण अफ्रीका इस मैच को जीतकर सीरीज पर कब्जा करने के इरादे से उतरेगी। उसके कप्तान तेम्बा बावुमा का कहना है कि पिछले मैच में बल्लेबाज ओर गेंदबाज उम्मीद के अनुरुप प्रदर्शन नहीं कर पाये जिससे टीम को हार झेलनी पड़ी थी। साथ ही कहा कि इस मैच में टीम पिछली हार को भूलकर उतरेगी। साथ ही कहा कि टीम में कोई बदलाव नहीं होगा।

आयरलैंड दौरे के लिए टीम में जगह न मिलने से निराश है राहुल तेवतिया

नई दिल्ली । भारतीय टीम का आयरलैंड दौरा घोषित हो गया है। इस टीम की कमान हार्दिक पांड्या को सौंपी गई है जबकि अनुभवी गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को उप-कप्तान बनाया गया है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मौका न मिलने से निराश राहुल त्रिपाठी को पहली बार टीम में शामिल किया गया है उन्होंने आइपीएल में 150 से ज्यादा की स्ट्राइक रेट से 14 मैचों में 413 रन बनाए थे। लेकिए एक खिलाड़ी अब भी निराश है जिनका नाम आयरलैंड दौरे के लिए टीम इंडिया में नहीं है। आइपीएल में गुजरात की टीम के लिए मैच विनर रहे राहुल तेवतिया की उम्मीदों को झटका लगा है। उन्हें उम्मीद थी कि आयरलैंड के खिलाफ उन्हें मौका मिलेगा लेकिन ऐसा नहीं हो पाया। उन्होंने सेलेक्शन न होने पर ट्विट कर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने सैड इमोजी के साथ लिखा है कि एक्सपेक्टेशन हर्ट्स। उनके इस ट्विट पर कई क्रिकेट फैंस ने उनका साथ दिया है और लिखा है कि जल्द ही उन्हें मौका मिलेगा। आइपीएल 2022 राहुल के लिए अच्छा गुजरा था। उन्हें भले ही ज्यादा मैचों में बल्लेबाजी करने का मौका न मिला हो लेकिन जब भी उन्हें बल्लेबाजी में मौका मिला उन्होंने अपनी छाप छोड़ी। राहुल ने 16 मैचों में 147.62 की स्ट्राइक रेट से 217 रन बनाए और दो मैचों में गुजरात के लिए मैच को फिनीश किया। पंजाब किंग्स के खिलाफ खेली गई उनकी पारी को कोई नहीं भूल सकता जहां उन्होंने ओडियन स्मिथ की आखिरी 2 गेंदों पर छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाई थी।

तेवतिया की उस पारी के बाद महान सुनील गावस्कर ने उनकी तारीफ की थी और विपरीत परिस्थितियों में भी शांत रहने की उनकी क्वालिटी को आइसमैन बताया था। इसके अगले मैच में ही तेवतिया ने 21 गेंदों पर 40 रन की विस्फोटक पारी खेल कर अपनी टीम को रोमांचक जीत दिलाई थी।

बोस्टन में गोल्डन स्टेट वैरियर्स गार्ड स्टीफन करी लौरी ओ ब्रायन ट्रॉफी उठाये हुए।

व्यापार न्यूज

जीएसटी काउंसिल की बैठक 28-29 जून को

नई दिल्ली । वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अगुवाई वाली जीएसटी काउंसिल की बैठक 28-29 जून को श्रीनगर में होगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के कार्यालय ने ट्वीट किया कि जीएसटी काउंसिल की 47वीं बैठक 28 और 29 जून मंगलवार और बुधवार को होगी। काउंसिल की यह बैठक इस दृष्टि से महत्वपूर्ण मानी जा रही है कि इसमें राज्यों के वित्त मंत्रियों की समिति की दरों को सुसंगत करने संबंधी रिपोर्ट पर चर्चा होगी। इसके अलावा बैठक में कसीनो, घुड़दौड़ और ऑनलाइन गेमिंग के लिए जीएसटी दरों पर विचार किया जाएगा। बैठक में कुछ प्रक्रियाओं के सरलीकरण पर भी विचार किया जा सकता है। गौरतलब है कि वित्त मंत्रालय ने हाल ही में कहा था कि केंद्र ने राज्यों को 86,912 करोड़ रुपए जारी करके अब तक का पूरा जीएसटी क्षतिपूर्ति बकाया चुका दिया है। इसमें से 25,000 करोड़ रुपए जीएसटी क्षतिपूर्ति फंड से जारी किए गए हैं और बाकी 61,912 करोड़ रुपए केंद्र अपने खुद के संसाधनों से जारी कर रहा है। जारी किए गए कुल क्षतिपूर्ति में 17,973 करोड़ रुपए अप्रैल और मई का बकाया था।

रिजर्व बैंक अप्रैल में डॉलर का खरीदार बना

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) अप्रैल में अमेरिकी डॉलर का खरीदार बन गया है। जानकारी के मुताबिक रिजर्व बैंक ने अप्रैल में हाजिर बाजार से 1.965 अरब डॉलर खरीदे। समीक्षाधीन महीने में रिजर्व बैंक ने 11.965 अरब डॉलर की खरीद की और हाजिर बाजार में 10 अरब डॉलर की बिक्री की। आंकड़ों से पता चलता है कि मार्च, 2022 में रिजर्व बैंक ने 20.101 अरब डॉलर की शुद्ध बिक्री की थी। रिजर्व बैंक ने 4.315 अरब डॉलर की खरीदारी की थी और हाजिर बाजार में 24.416 अरब डॉलर की बिक्री की थी। वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान केंद्रीय बैंक ने 17.312 अरब डॉलर की शुद्ध खरीद की थी।

5जी नीलामी के लिए बोली पूर्व सम्मेलन 20 को

नई दिल्ली । दूरसंचार विभाग ने 5जी स्पेक्ट्रम नीलामी से संबंधित बोली पूर्व सम्मेलन के लिए नोटिस जारी किया है। यह सम्मेलन 20 जून को होगा। 5जी स्पेक्ट्रम की नीलामी के तहत बोली-पूर्व सम्मेलन पहला बड़ा कार्यक्रम होगा। सरकार अगले महीने 4.3 लाख करोड़ रुपए के स्पेक्ट्रम की नीलामी करने जा रही है। स्पेक्ट्रम की नीलामी 26 जुलाई को शुरू होगी। नीलामी के दौरान 72 गीगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम बिक्री के लिए रखा जाएगा।

गिरावट के साथ खुले शेयर बाजार : सेंसेक्स 425 अंक टूटा, निफ्टी 15,234 पर

मुंबई । वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख और विदेशी निवेशकों की निरंतर बिकवाली के चलते सेंसेक्स और निफ्टी में शुक्रवार को गिरावट दर्ज की गई। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 425 अंक टूट गया। बीएसई का 30 शेयरों वाला सूचकांक 425.11 अंक गिरकर 51,070.68 पर आ गया, जबकि निफ्टी 125.7अंक गिरकर 15,234.90 पर कारोबार कर रहा था।सेंसेक्स से एशियन पेंट्स, विप्रो, डॉ. रेड्डीज, टाइटन, टीसीएस, टेक महिंद्रा, सन फार्मा और मारुति गिरने वाले प्रमुख शेयरों में शामिल थे।वहीं, दूसरी ओर रिलायंस इंडस्ट्रीज और एनटीपीसी लाभ में कारोबार कर रहे थे। इससे पहले बृहस्पतिवार को तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,045.60 अंक गिरावट के साथ 51,495.79 अंक पर बंद हुआ था। इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 331.55 अंक की गिरावट के साथ 15,360.60 अंक पर बंद हुआ था। शुक्रवार के कारोबार में निवेशकों ने सबसे ज्यादा बिकवाली विप्रो, टीसीस, एचसीएल टेक, टाइटन एम, इंडसंड बैंक, एचडीएफसी और एशियन पेंटस के शेयरों में की है। लगातार बिकवाली से इन कंपनियों के स्टॉक्स में 2.6 फीसदी तक गिरावट देखी जा रही।

इसके अलावा ब्रिटेनिया, टाटा मोटर्स और एचडीएफसी लाइफ के स्टॉक्स ने भी नुकसान झेला है। दूसरी ओर रिलायंस, एनटीपीस, टाटा स्टील, कोल इंडिया, बजाज आटो और आईटीसी जैसी कंपनियों के शेयरों की लगातार मांग रही है और दोनों ही एक्सचेंज पर ये स्टॉक्स हरे निशान पर ट्रेडिंग कर रहे। बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप में भी गिरावट देखी जा रही, जो 1.3 फीसदी तक टूट गए हैं। आज के कारोबार को सेक्टरवार देखें तो सबसे ज्यादा नुकसान रियल्टी, आईटी, एफएमसीजी, फार्मा, कंज्यूमर ड्यूरेबल, ऑटो और बैंक में दिख रहा है। कुल मिलाकर सिर्फ मेटर सेक्टर ही आज हरे निशान पर कारोबार कर रहा, जबकि अन्य सभी सेक्टर में शुरुआत से ही गिरावट दिख रही है।

एशिया के अधिकतर बाजारों में कमजोरी देखी जा रही है। सिंगापुर स्टॉक एक्सचेंज को छोड़ दिया जाए तो सभी प्रमुख शेयर बाजारों में आज शुरुआती कारोबार में ही गिरावट दिख रही है। सिंगापुर स्टॉक एक्सचेंज 0.15 फीसदी की बढ़त के साथ ट्रेडिंग कर रहा। हालांकि, अन्य बाजारों जैसे जापान के निक्केई में 2.25 फीसदी और ताइवान में 1.23 फीसदी की गिरावट दिख रही है। दक्षिण कोरिया का कॉस्पी भी 1.14 फीसदी के नुकसान पर ट्रेडिंग कर रहा है, जबकि चीन का शंघाई कंपोजिट 0.03 फीसदी गिरावट के साथ लाल निशान पर है।

सस्ती दरों पर सोना खरीदने का मौका दे रही सरकार

नई दिल्ली । सरकार जनता को सस्ती दरों पर सोना खरीदने का मौका दे रही है। दरअसल एक बार फिर से सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड में निवेश करने का मौका आ रहा है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बताया कि सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम 2022-23 की पहली सीरीज खरीद के लिए 20 जून से पांच दिनों के लिए खुलने जा रही है। इस दौरान निवेशकों के पास बाजार से कम कीमत में गोल्ड खरीदने का मौका होगा। आरबीआई ने बताया कि सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड 2022-23 की दूसरी सीरीज आवेदन के लिए 22 से 26 अगस्त के दौरान उपलब्ध होगी। केंद्रीय बैंक दरअसल भारत सरकार की तरफ से बांड जारी करता है। ये निवासी व्यक्तियों, अविभाजित हिंदू परिवार, न्यासों, विश्वविद्यालयों और धर्मार्थ संस्थाओं को ही बेचे जा सकते है। पिछले वित्त वर्ष 2021-22 में कुल 12,991 करोड़ रुपए मूल्य के 10 किस्तों में एसजीबी जारी किए गए थे। आरबीआई ने कहा है कि एसजीबी की अवधि 8 साल के लिए होगी, जिसमें 5वें साल के बाद इसे प्रीमैच्योर रिडेंपशन किया जा सकता है। इस ऑप्शन का उपयोग उस तिथि पर किया जा सकता जिस पर ब्याज देय है। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम में एक वित्त वर्ष में एक व्यक्ति अधिकतम 4 किग्रा गोल्ड के बॉन्ड खरीद सकता है। न्यूनतम निवेश एक ग्राम का होना जरूरी है। वहीं ट्रस्ट या उसके जैसी संस्थाएं 20 किग्रा तक के बॉन्ड खरीद सकती हैं। डिजिटल माध्यम से गोल्ड बॉन्ड के लिए आवेदन और भुगतान करने वाले निवेशकों के लिये इश्यू प्राइस 50 रुपए प्रति ग्राम कम होगा। आरबीआई ने कहा कि निवेशकों को निर्धारित मूल्य पर सालाना 2.5 फीसदी ब्याज छमाही आधार पर दिया जाएगा।

डॉलर के मुकाबले रुपया 6 पैसे चढ़ा

मुंबई । रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 6 पैसे की मजबूती के साथ 78.04 पर पहुंच गया। कच्चे तेल की कीमतों में नरमी आने से रुपए को मजबूती मिली।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि विदेशी बाजारों में अमेरिकी मुद्रा के मजबूत होने, विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी और घरेलू शेयर बाजार में गिरावट के कारण रुपये की बढ़त सीमित रही। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 78.03 पर मजबूत खुला, इसके बाद कुछ गिरावट के साथ 78.04 पर आया जो पिछले बंद भाव की तुलना में 6 पैसे की बढ़त दर्शाता है। गुरुवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया 78.10 प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.60 प्रतिशत बढ़कर 104.25 पर पहुंच गया।

क्रिप्टोकरेंसी निवेशक ने एलन पर ठोका 20 लाख करोड़ का मुकदमा

न्यूयॉर्क । दुनिया के सबसे अमीर आदमी एलन मस्क का मुश्किलों से पीछा नहीं छूट रहा। पहले ट्विटर को खरीदने को लेकर तमाम विवादों ने परेशान किया और अब क्रिप्टोकरेंसी डॉजिक्वॉइन के एक निवेशक ने उन पर मुकदमा ठोक दिया है। अमेरिका की अदालत में दायर यह मुकदमा शायद इतिहास का सबसे बड़ी राशि वाला मुकदमा होगा, जिसमें वादी ने करीब 20 लाख करोड़ रुपए का दावा पेश किया है। जानकारी के मुताबिक अमेरिका की मैनहट्टन फेडरल कोर्ट में मुकदमा दायर करने वाले प्लेनटिफ केथ जॉनसन ने एलन मस्क पर आरोप लगाया है कि उन्होंने अपनी क्रिप्टोकरेंसी को बाजार में चलाने के लिए पिरामिड योजना का सहारा लिया है। जॉनसन ने मस्क के साथ उनकी इलेक्ट्रिक कार कंपनी टेस्ला और स्पेस टूरिज्म कंपनी स्पेसएक्स को भी मामले में भागीदार बनाया है। जॉनसन ने कहा कि डॉजिक्वॉइन की कीमतें बढ़ाने और फिर से गिराने में मस्क ने पिरामिड योजना का सहारा लिया है। मुकदमे में 258 अरब डॉलर (करीब 20.38 लाख करोड़ रुपए) का दावा किया गया है।जॉनसन ने आरोप लगाया कि मस्क सहित सभी प्रतिवादियों को साल 2019 से ही पता था कि डॉजिक्वॉइन की कोई वैल्यू नहीं है। बावजूद इसके उन्होंने मुनाफा कमाने के लिए इसे प्रमोट किया। इतना ही नहीं मस्क ने दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति होने का फायदा भी उठाया और इस उपलब्धि की आड़ में डॉजिक्वॉइन के लिए पिरामिड योजना चलाने और इसमें हेरफेर के लिए इसका इस्तेमाल किया।

वादी ने अपने मुदकमे में वॉरेन बफे और बिल गेट्स जैसे अरबपतियों के बयानों को भी शामिल किया है, जिन्होंने क्रिप्टोकरेंसी के मूल्य पर कई बार सवाल उठाए हैं। एलन मस्क अभी टेस्ला और स्पेसएक्स दोनों ही कंपनियों के सीईओ हैं और उनके या कंपनियों के वकील की तरफ से अभी कोई बयान नहीं आया है। जॉनसन के वकील ने भी यह नहीं बताया है कि उनके पास कौन से सबूत हैं या मिलने की उम्मीद है जिससे यह साबित किया जा सके कि डॉजिक्वॉइन की कोई कीमत नहीं है और इसे पिरामिड स्कीम की तरह चलाया जा रहा है। हालांकि, जॉनसन ने अपने वाद में मई 2021 के बाद डॉजिक्वॉइन में गिरावट की वजह से 86 अरब डॉलर का नुकसान होने का दावा किया है और इस क्षतिपूर्ति के साथ तीन गुना भुगतान करने की मांग की है। जॉनसन ने कोर्ट से यह भी गुहार लगाई है कि मस्क और उनकी कंपनियों को डॉजिक्वॉइन को प्रमोट करने से रोक दिया जाए।

रतन टाटा से प्लेन में शख्स की मुलाकात से खत्म होने से बचा स्टार्टअप आइडिया

नई दिल्ली । क्रिस कैपटिल में पार्टनर संजीव कौल ने कहा है कि भारत के दिग्गज उद्योगपति रतन टाटा के साथ उनकी एक मुलाकात भारत से ब्रेन ड्रेन रोका और स्टार्टअप शुरू करने में मदद की। संजीव कौल ने एक लिंक्डिन पोस्ट में 2004 में जेट एयरवेज की एक उड़ान का वाकया बयान करते हुए यह बात लिखी है। इस कंपनी का प्रमोटर टाटा ग्रुप है। संजीव लिखते हैं कि साल 2004 में वह जेट एयरवेज की एक फ्लाइट से मुंबई से दिल्ली आ रहे थे। मुंबई वह एक इनोवेटिव स्टार्टअप की फंडिंग के सिलसिले में किसी बड़े बिजनेस हाउस से मिलने आए थे और उनकी बैठक बिलकुल अच्छी नहीं गई थी। कौल कहते हैं कि वह प्लेन में अपनी सीट 2एफ पर बैठकर पीपीटी देख रहे थे कि कहां गलती हुई तभी जहाज में सन्नाटा पसर गया। उन्होंने देखा कि रतन टाटा उनके बगल वाली सीट 2डी पर बैठ रहे हैं। पहले वह स्तब्ध रह गए लेकिन फिर अपना ध्यान दोबारा अपने लैपटॉप पर लगा लिया।

कौल लिखते हैं कि जहाज के उड़ान भरने के बाद उन्होंने गलती से जूस अपनी टाई पर गिरा लिया और ये देखकर रतन टाटा ने तुरंत नैपकिन उनकी तरफ बढ़ाकर जूस साफ करने में मदद की। इसके बाद टाटा ने देखा कि कौल की आंख में आंसू हैं। कौल ने बताया कि वह दो वैज्ञानिकों के साथ मिलकर एक स्टार्टअप शुरू करना चाह रहे थे और उसी की फंडिंग के सिलसिले में मुंबई आए थे लेकिन वह अब अपने सारे विकल्प आजमा चुके हैं और उन्हें अभी तक फंडिंग नहीं मिली है। कौल ने टाटा से कहा कि वे दोनों वैज्ञानिक अब यूएस लौटने की तैयारी में हैं। इस पर टाटा ने उनसे उनका नंबर मांगा और कहा कि जल्द ही टाटा ग्रुप से उन्हें कोई कॉल करेगा। उसी रात कौल को टाटा से संपर्क किया गया और दोनों वैज्ञानिकों के साथ मीटिंग के लिए मुंबई बुलाया गया। कौल लिखते हैं कि वे मुंबई गए, अपनी प्रेजेंटेशन दी और उसके बाद सब इतिहास है। कौल ने रतन टाटा को देशभक्त बताते हुए कहा कि यह सब संभव हो पाया क्योंकि एक शख्स को एहसास हुआ कि दो वैज्ञानिकों को भारत में अवसर मिलना चाहिए। कौल ने कहा कि देशभक्त रतन टाटा ने ब्रेन ड्रेन रोकने में मदद की। उन्होंने बताया कि एडविनस ने पिछले एक दशक में दुनियाभर के 50 वैज्ञानिकों अपनी ओर आकर्षित किया है।

उत्तर भारत के स्ट्रीट फूड को याद कर रहीं अक्षिता मुदगल

अभिनेत्री अक्षिता मुदगल को उत्तर भारतीय स्ट्रीट फूड (सड़क किनारे मिलने वाले व्यंजन) बेहद पसंद हैं। हालांकि उनका कहना है कि वह महामारी के कारण इनका आनंद लेने में असमर्थ हैं। अभिनेत्री, जो आगरा से हैं, कोविड-19 महामारी के कारण घर वापस नहीं जा पा रही हैं और अपने पसंदीदा खाद्य पदार्थों को मिस (याद) कर रही हैं। अभिनेत्री ने कहा, जो कोई भी मुझे जानता है, उसे पता है कि मैं बड़ी फूडी (खाना पसंद करने वाला) हूं। मैं उत्तर भारत में पैदा हुई और सबसे स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद लेते हुए बड़ी हुई हूं। वास्तविकमुगलई और अवधी व्यंजनों से लेकर स्वादिष्ट स्ट्रीट फूड तक, उत्तर भारत खाने का शौक रखने वालों के लिए स्वर्ग है! लेकिन मुंबई में होने के कारण, अगर मुझे वहां की जो एक चीज सबसे ज्यादा याद आती है, तो वह है दिल्ली की चाट। मैं कबूल करती हूं कि यह मेरा आरामदायक भोजन है। लेकिन महामारी के कारण, मैं इनका आनंद लेने के लिए घर वापस नहीं जा पा रही हूं। अक्षिता ने कहा, मुझे अपने गृहनगर की सड़कों के साथ-साथ दिल्ली में भी घूमने तो मिस कर रही हूं। अभिनेत्री ने महामारी के दौरान लोगों से सुरक्षित रहने का भी आग्रह किया। उन्होंने कहा, कोविड ने हमारे जीवन को बहुत कठिन बना दिया है। मुंबई में हम केवल शूट के लिए बाहर निकलना और फिर वापस लौट जाना ही सुनिश्चित कर रहे हैं। मुझे लगता है कि यह समय है, जब हम सभी को यह सुनिश्चित करने के लिए सावधान रहने की आवश्यकता है कि हम संक्रमित न हों और बीमारी को न फैलाएं।

मेरा मास्क मेरा सुपरहीरो पोशाक- अभिनेता सुधीर बाबू

तेलुगु अभिनेता सुधीर बाबू ने अपनी सुपरहीरो पोशाक में एक इंस्टाग्राम तस्वीर पोस्ट की है। फोटो में सुधीर एक ग्रे टी-शर्ट और काली कार्गो पैंट पहने हुए हैं और सबसे जरुरी चेहरे पर मास्क लगाए

हुए नजर आ रहे हैं। फोटो के साथ अभिनेता ने लिखा, मेरा मास्क मेरा सुपरहीरो कॉस्ट्यूम है। फोटो के साथ उन्होंने कैप्शन दिया, तस्वीर सब कहती है। मास्क पहनों, वैक्सीन लो। अभिनेता की आगामी फिल्म श्री देवी सोडा सेंटर है, जिसे करुणा कुमार ने निर्देशित किया है। फिल्म में अभिनेत्री आनंदी भी हैं। पिछले साल सुधीर बाबू नानी-स्टारर वी में देखे गए थे, जो ओटीटी पर दुनियाभर में रिलीज हुई थी। सुधीर का फिल्म में पुलिस वाले के रूप में एक्शन अवतार था, जिसे मिलीजुली प्रतिक्रिया मिली।

मीडिया से डर नहीं लगता : रित्विक धनजानी

अभिनेता रित्विक धनजानी का कहना है कि अभिनेता बनने के बारे में सबसे अच्छी बात यह है कि इसमें कई अलग-अलग तरह के किरदारों को निभाने का मौका मिलता है। उनका कहना है कि वह इंडस्ट्री को लेकर कुछ भी नहीं बदलना चाहेंगे क्योंकि उन्हें इसकी हर एक चीज से लगाव है। रित्विक ने बताया, सबसे अच्छी बात यह है कि कैमरे के सामने कई अलग-अलग तरह की जिंदगियों को जीने का मौका मिलता है। यह बेहद रोमांचक है। मैं कुछ भी नहीं बदलना चाहूंगा और न ही मुझे किसी बात का कोई खेद है। अगर मैं किसी एक भी चीज को बदलता हूं, तो आज मैं जो हूं वह बन नहीं पाता। रित्विक का यह भी कहना है कि उन्हें लोगों की नजरों में बने रहने से भी कोई परेशानी नहीं है। वह कहते हैं, मीडिया की निगाहों से क्यों डरूं? मीडिया का मुझे भरपूर साथ मिला है। इनके द्वारा मेरे पर्सनल और प्राइवेट स्पेस के प्रति समझदारी बरती गई है। उन्होंने एक दायरे का हमेशा से ख्याल रखा है। मुझे किसी भी चीज से कोई परेशानी नहीं है। रित्विक फिलहाल रिएलिटी शो सुपर डांसर : चैप्टर 4 की मेजबानी कर रहे हैं।

अभिनेता तनुज विरवानी अवैध सीजन 2 के कलाकारों में शामिल

अभिनेता तनुज विरवानी को अदालत ड्रामा वेब सीरीज इल्लीगल के दूसरे सीजन में देखा जाएगा। तनुज एक उद्यम पूंजीपति और नेहा शर्मा की ऑन-स्क्रीन लव स्टोरी के रूप में शो में प्रवेश करेंगे। अभिनेता का कहना है कि वह पहले सीजन के बहुत बड़े प्रशंसक थे। उन्होंने कहा, मैंने इल्लीगल और कथानक के पहले सीजन को देखा है, कलाकारों का अभिनय और सरासर जुनून ने मेरे दिमाग को पूरी तरह से भर दिया है। स्वाभाविक रूप से जब मुझे कलाकारों में शामिल होने की पेशकश की गई थी और पीयूष मिश्रा और अभूतपूर्व कलाकारों के साथ मुझे स्क्रीन साझा करने का मौका दिया। उन्होंने कहा, नेहा, अक्षय (ओबेरॉय) और सत्यदीप (मिश्रा) जैसे अभिनेताओं को बिल्कुल भी सोचने की जरूरत नहीं थी।वह कहते हैं कि दूसरा सीजन बहुत दिलचस्प है और मैं यह देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं कि ये स्क्रीन पर कैसे काम करता है।

नागार्जुन की फिल्म 'वाइल्ड डॉग' का ओटीटी पर धमाका, तोड़े साउथ फिल्मों के कई रिकॉर्ड्स

सुपरस्टार नागार्जुन की फिल्म वाइल्ड डॉग थिएटर में 2 अप्रैल को रिलीज हुई थी, लेकिन कोविड की वजह से फिल्म ज्यादा समय तक थिएटर पर नहीं चली. हालांकि मेकर्स ने फिर फिल्म को नेटफ्लिक्स पर रिलीज करने का फैसला लिया क्योंकि अब ज्यादातर फिल्में ओटीटी पर रिलीज की जा रही हैं. ओटीटी पर फिल्म को काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है. फिल्म को फैंस और क्रिटिक्स से काफी पॉजिटिव रिव्यूज मिले हैं. फिल्म तमिल, मलयालम, तेलुगू, कन्नड़ और तेलुगू भाषा में रिलीज हुई है. दिलचस्प बात तो ये है कि भारत में ये फिल्म नेटफ्लिक्स पर टॉप ट्रेंडिंग में शामिल है. नागार्जुन, दिया मिर्जा, सैयामी खेर, अतुल कुलर्णी स्टारर इस फिल्म की कहानी नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी के बारे में बताती है जो एक मिशन पर निकलते हैं. फिल्म में नागार्जुन, विजय वर्मा का किरदार निभा रहे हैं, जोकि एक एनआईए के ऑफिसर हैं. फिल्म में नागार्जुन को वाइल्ड डॉग ही कहा जाता है. फिल्म में दिया उनकी प प्रतिशती का किरदार निभा रही हैं. फिल्म के डायरेक्टर अहीशोर सोलोमन के काम की काफी तारीफ हो रही है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, वाइल्ड डॉग ने साउथ फिल्मों के कई रिकॉर्ड्स तोड़ दिए हैं. फिल्म को कुछ ही दिन में मिलियन से ज्यादा व्यू काउंट मिले हैं. फिल्म का तमिल वर्जन भी 5वे नंबर पर है. थिएटर पर जब फिल्म रिलीज हुई थी तब वाइल्ड डॉग ने 6 करोड़ का कलेक्शन किया है. नागार्जुन अक्किनेनी इन दिनों काफी बिजी हैं. कुछ दिनों पहले उन्होंने 'ब्रह्मास्त्र' फिल्म की शूटिंग पूरी की है. आलिया भट्ट ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया था जिसमें उन्होंने बताया कि ब्रह्मास्त्र फिल्म में नागार्जुन ने अपनी शूटिंग पूरी कर ली है. आलिया ने फोटोज पोस्ट की थीं जिसमें उनके साथ रणबीर और नागार्जुन नजर आ रहे थे. अब खबर है कि नागार्जुन ने अपनी दूसरी फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है।

जी हुजूर सरकार की मुसीबत

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

मोदी सरकार ने जो नई अग्निपथ योजना घोषित की है, उसके खिलाफ सारे देश में जन-आंदोलन शुरु हो गया है। यह आंदोलन रोजगार के अभिलाषी नौजवानों का है। यह किसानों और मुसलमानों के आंदोलन से अलग है। वे आंदोलन देश की जनता के कुछ वर्गों तक ही सीमित थे। यह जाति, धर्म, भाषा और व्यवसाय से ऊपर उठकर है। इसमें सभी जातियों, धर्मों, भाषाओं, क्षेत्रों और व्यवसायों के नौजवान सम्मिलित है। इसके कोई सुनिश्चित नेता भी नहीं हैं, जिन्हें समझा-बुझाकर चुप करवाया जा सके। यह आंदोलन स्वतः स्फूर्त है। जाहिर है कि इस स्वतःस्फूर्त आंदोलन के भड़कने का मूल कारण यह है कि नौजवानों को इसके बारे में गलतफहमी हो गई है। वे समझ रहे हैं कि 75 प्रतिशत भर्तीशुदा जवानों को यदि 4 साल बाद हटा दिया गया तो कहीं के नहीं रहेंगे। न तो नई नौकरी उन्हें आसानी से मिलेगी और न ही उन्हें पेंशन आदि मिलनेवाली है। इस आशंका का जिक्र मैंने परसों अपने लेख में किया था। इसे लेकर ही सारे देश में आंदोलन भड़क उठा है। रेले रूक गई हैं, सड़के बंद हो गई हैं और आगजनियां भी हो रही हैं। बहुत से नौजवान घायल और गिरफ्तार भी हो गए हैं। एक जवान ने आत्महत्या भी कर ली है। यह आंदोलन पिछले सभी आंदोलनों से ज्यादा खतरनाक सिद्ध हो सकता है, क्योंकि ज्यादातर आंदोलनकारी वे ही नौजवान हैं, जिनके रिश्तेदार, मित्र या पड़ौसी पहले से भारतीय फौज में है। इस आंदोलन से वे फौजी भी अछूते नहीं रह सकते। सरकार ने इस अग्निपथ योजना को थोड़ा ठंडा करने के लिए भर्ती की उम्र को साढ़े सतरह साल से 21 साल तक जो रखी थी, उसे अब 23 तक बढ़ा दिया है। यह राहत जरुर है लेकिन इसका एक दुष्परिणाम यह भी है कि चार साल बाद याने 27 साल की उम्र में बेरोजगार होना पहले से भी ज्यादा हानिकर सिद्ध हो सकता है। यह ठीक है कि सेना से 4 साल बाद हटनेवाले 75 प्रतिशत नौजवानों को सरकार लगभग 12-12 लाख रु. देगी तथा सरकारी नौकरियों में उन्हें प्राथमिकता भी मिलेगी लेकिन असली सवाल यह है कि मोदी सरकार ने इस मामले में भी क्या वही गलती नहीं कर दी, जो वह पिछले आठ साल में एक के बाद एक करती जा रही है? 2014 में सरकार बनते ही उसने भूमि-ग्रहण अध्यादेश जारी किया, अचानक नोटबंदी घोषित कर दी, कृषि कानून बना दिए और पड़ौसी देशों के मामले में कई बार गच्चा खा गई- इससे यही साबित होता है कि वह नौकरशाहों के मार्गदर्शन पर एक अनेक देशहितकारी कदम उठाने का सत्साहस तो करती है लेकिन उनके कदमों का जिन पर असली असर होना है, उन्हें वह बिल्कुल भी घांस नहीं डालती है। वह यह भूल रही है कि वह लोकतंत्र की सरकार है। वह किसी बादशाह की सल्तनत नहीं है कि उसने जो भी हांक लगाई तो सारे दरबारियों ने कह दिया 'जी हुजूर'!

1857 आजादी की क्रान्ति भारतीय इतिहास का सूर्य महारानी लक्ष्मीबाई जो कभी अस्त नही होगा

(18 जून बलिदान दिवस पर विशेष)

विष्णु अग्रवाल

11 मई 1857 का सैनिक विद्रोह अंग्रेजो के खिलाफ देश को आजाद कराने के लिए महान क्रांतिकारियों ने महारानी लक्ष्मीबाई क नेतृत्व में अंग्रेजो से स्वाधीनता की लड़ाई लड़ी । झांसी की रानी महारानी लक्ष्मीबाई का व्यक्तित्व आकर्षक दर्पण साबित होता है। प्रसिद्ध कवियत्री सुभद्रा कुमारी चौहान ने लिखा था- बुन्देलो हरबोलों के मुँह हमने सुनी कहानी थी, खूब लड़ी मर्दानी वह तो झांसी वाली रानी थी। महारानी लक्ष्मीबाई का मूल नाम मणिकर्णिका था स्वतंत्रता सेनानीयों की अधिष्ठात्री,1857 जन क्रान्ति की महान सेना नायक और अंग्रेजी शासन की जडों को हिला देने वाली महारानी लक्ष्मीबाई का जन्म कार्तिक वदी 14 विक्रम संवत 1892 कार्तिक वदी 14 (19 नबम्बर 1835) मेंबनारस (काशी) में हुआ था। वह इतिहास में मनु के नाम से विख्यात हुई। मनु के पिता मोरोपंथ तांबे मूलतः सतारा महाराष्ट्र के रहने वाले थे। वे बाजीराज पेशवा के बिठूर के दरवार में कार्य करते थे।

उन्होने अपनी पत्नी के देहान्त के बाद अपनी पुत्री का पालन पोषण बड़े ही प्यार से किया। उन्होंने घुड़सवारी, तलवारबाजी, अस्त्र-शस्त्र की शिक्षा मुँहबोले भाई नाना साहब पेशवा के साथ प्राप्त की थी। अद्वितीय साहस वीरता एवं निर्भीकता के कारण उनकी शिक्षा दीक्षा राजकीय ढंग से हुई। झांसी के राजा गंगाधर राव नेवालकर की पहली पत्नी का देहान्त होने तथा उसकी कोई संतान न होने के कारण झांसी का कोई उत्तराधिकारी नहीं था इसलिये झांसी के राजा के राजा को सभी दरबारियों ने सलाह देकर राजा गंगाधर राव को दूसरी शादी करने की सलाह दी 13 वर्ष की आयु में मनु का विवाह राजा गंगाधर राव से हो गया। झांसी में मनु का नाम बदलकर महारानी लक्ष्मीबाई हो गया। सन् 1851 में लक्ष्मीबाई को एक पुत्र की प्राप्ति हुई पर दुर्भाग्य से चार महीने की अल्प आयु में ही उनका निधन हो गया उत्तराधिकारी चाहिये था तो उन्होंने दामोदर राव नाम के एक बालक को गोद ले लिया। अंग्रेजो ने नीति बनाई थी जिस राज्य का उत्तराधिकारी नहीं होगा उस राज्य पर अंग्रेजो का अधिकार हो जायेगा। 21 नबम्बर 1853 को हृदयाघात से झांसी के राजा गंगाधर राव झांसी के राजा की मृत्यु हो गई। तब महारानी लक्ष्मीबाई ने झांसी का शासन का कार्य कुशलतापूर्वक अपने हाथ में लिया और उसका संचालन किया । झांसी का कोई वैध उत्तराधिकारी नहीं था। लार्ड डलहौजी ने विलय नीति के अन्तर्गत झांसी पर अधिकार करने के लिये महारानी लक्ष्मीबाई पर दबाब डाला। डलहौजी अंग्रेजो का सबसे महत्वाकांक्षी व साम्राज्यवादी गर्वनर जनरल था। भारत में अंग्रेजी साम्राज्य का विस्तार करना चाहता था।इसलिये उसने विलय नीति लागू की। उसने कई राज्यों को अपनी इस नीति के कारण हड़प लिया। कोई भी भारतीय शासन ओरस पुत्र के अभाव में दत्तक पुत्र को अपना उत्तराधिकारी घोषित नहीं कर सकता इस अंग्रेजो की नीति के खिलाफ महारानी लक्ष्मीबाई ने जोरदार विरोध किया।उनकी इस रणनीति में नाना साहब पेशवा, तात्याटोपे, बिहार के कुंवर सिंह, दिल्ली के मुगल सम्राट बहादुरशाह जफर, बेगम हजरत महल के गोहद व भिण्ड के राजा भी महारानी लक्ष्मीबाई के साथ थे। अंग्रेजो को मार भगाने के लिये तथा क्रांति का दिन 11 मई 1857 निर्धारित किया गया। झांसी की रानी के किले को अंग्रेजो ने चारो तरफ से घेर लिया तथा कई दिनों तक अपने तोपचियों एवं सैनिकों के साथ अंग्रेजो से मुकाबला करती रहीं। महारानी लक्ष्मीबाई को उनके दरबारियों ने सलाह दी कि अंग्रेजो का मुकाबला किले के अन्दर से नही बाहर से करना होगा। महारानी लक्ष्मीबाई अपने सैनिकों के साथ अपने गोद लिये पुत्र दामोदर राव को पीठ पर बांधकर किले से बाहर निकली और उनके सैनिक अंग्रेज सैनिकों पर टूट पड़े। महारानी लक्ष्मीबाई का साथ कई स्टेटे के राजा महाराजा, तात्या टोपे आदि क्रांतिकारी दे रहे थे।

कालपी छोड़ने के बाद रानी बांदा के नबाब और तात्या टोपे की राजनीति के तहत जब 28 मई 1857 को राब साहब आमन गांव (ग्वालियर के निकट) इस आशय से पहुंचे कि जीवाजीराव उन्हें अंग्रेजों के विरूद्ध सैनिक सहायता तथा युद्ध में साथ देंगे, परन्तु उन्हें निराशा ही हाथ लगी। सहायता के स्थान पर जीवाजीराव के चार सौ पैदल और डेढ़ सौ घुड़सवारों ने उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया। लेकिन तात्या टोपे ने उन सैनिकों को समझाने व उनमें देशभक्ति व स्वातंत्रय संघर्ष का मंत्र फूंक कर उन्हें आजादी के मार्ग का रोड़ा न बनने के लिए प्रोत्साहित किया। महारानी लक्ष्मी बाई अंग्रेजी सेना से लड़ते हुये शिवपुरी होते हुये अपने सैनिको के साथ ग्वालियर आई थी। राव साहब संघर्ष के लिये आगे बढ़ गए और 30 मई 1857 को पेशवा की सेना आमन गॉव पहुंच गई।

पेशवा ने पूरी तैयारी के साथ मुरार छावनी में पड़ाव डाल दिया। दिनकार राव ग्वालियर स्टेट के रेंजीमेन्ट थे अंग्रेजो के आदेश पर ही कार्य करते थे। जीवाजीराव का जन्म भागीरथ छिन्दे के रूप में 19 जनवरी 1835 को हनुमन्त राव के पुत्र के रूप में जन्म हुआ। ग्वालियर के तत्कालीन महाराजा तृतीय मराठा सरदार जानकोजी राव की मृत्यु सन 1843 में हुई जीवाजीराव सिंधिया को 22 फरवरी 1843 को राजगददी पर बैठाया गया। 1857 की कांन्ति के समय जीवाजीराव की उम्र - 22 वर्ष थी। महाराजा जीवाजीराव व दिनकर राव सरदारों ने थोड़ा सा युद्ध किया परन्तु वे रानी की वीरता के सामने टिक न सके दिनाकर राव के कहने पर जीवाजीराव सिंधिया ग्वालियर छोडकर और पराजित होकर आगरा भाग गए। ग्वालियर पर पेशवा व महारानी लक्ष्मीबाई का अधिकार हो गया । ग्वालियर रियासत में महारानी लक्ष्मीबाई की फौज का गोला बारूद खत्म हो गया था तथा आर्थिक तंगी से सेना जूझ रही थी। 1857 की क्रांति के समय महारानी लक्ष्मीबाई और उनके सेनानायक राव साहब, तात्या टोपे आदि क्रांतिवीर ग्वालियर के रणक्षेत्र में अंग्रेजों के विरूद्ध डटे हुये थे परन्तु लक्ष्मीबाई के सैनिकों को कई माह से वेतन नहीं मिला था न ही राशन पानी का समुचित प्रबंध नहीं हो पा रहा था, तब सिंधिया नरेश के राजकोष गंगाजली (खजाना)कोषालय के प्रधान का चार्ज अमरचन्द बाठिया के पास था। 2 जून 1857 को राव साहब ने अमरचन्द बाँठिया को कहा कि उन्हें सैनिकों को वेतन आदि भुगतान करना है, क्या वे इसमें सहयोग करेंगे। 5 जून 1857 के दिन राव साहब के साथ अमर चन्द्र बाँठिया जी ने अपनी जान की परवाह न करते हुए क्रांतिकारियों की मदद की और ग्वालियर का गंगाजली राजकोष लक्ष्मीबाई एवं स्वत्रंता सैनिको के हवाले कर दिया। तत्कालीन परिस्थितियों में श्री बाँठिया का निर्णय महत्वपूर्ण था। इसका विवरण सेन्ट्रल इण्डिया एजेन्सी ऑफिसमें ग्वालियर रेजीडेन्सी की एक फाइल 1261 राष्ट्रीय अभिलेखागार,नई दिल्ली में है।क्रांतिकारी सैनिकों को 5-5 माह का वेतन वितरित किया गया।

अमरचन्द बाठिया की सहायता से क्रांतिकारी के हौंसले बुलन्द हो गये थे उन्होने अंग्रेजी सेनाओं के दात खटटे कर दिये थे ।

ग्वालियर पर कब्जा कर लिया था। गर्वनर जनरल ह्यूरोज ने अपनी सेना के साथ महारानी लक्ष्मीबाई से युद्ध किया जिसमें महारानी लक्ष्मीबाई गम्भीर रूप से घायल हो गई। अंग्रेजो की एक गोली महारानी लक्ष्मीबाई की गर्दन पर लगी जिससे वो युद्ध लड़ने में असमर्थ हो गई महारानी लक्ष्मीबाई जहाँ अंग्रेजों से युद्ध लड़ रही थी वहीं पर बाबा गंगादास जी की कुटिया कुछ ही दूरी पर थी । बाबा गंगादास के कहने पर क्रांतिकारी सन्यासियों ने अंग्रेजों से भाले तलवार से लड़ाई लड़ रहें थे इस लडाई में 100 से ज्यादा साधु देश की अजादी के लिये शहीद हो गये । आज भी उनकी समाधि बाबा गंगादास की शाला में बनी हुई है। बाबा गंगादास के कहने पर महारानी लक्ष्मीबाई को बाबा गंगादास की कुटिया में घायल अवस्था में लाया गया बाबा गंगादास जी महारानी लक्ष्मीबाई को गंगाजल पिलाया और महारानी लक्ष्मीबाई ने अपने 18 जून 1857 को प्राण देश के लिये न्यौछावर कर दिये।

संत की उदारता

विख्यात संत एकनाथ जी 12 वर्ष की अवस्था में ही अपने गुरु जनार्दन स्वामी के पास देवगढ़ पहुंच गए थे। गुरु ने उन्हें आश्रम के हिसाब-किताब का काम सौंप दिया। एक दिन जब एकनाथ जी ने हिसाब और रोकड़ का काम किया तो एक पाई की कमी नजर आई। खूब सोचने के बाद आखिरकार उन्हें आधी रात को एक पाई का हिसाब मिल गया तो उन्होंने उसी समय अपने गुरुजी को जाकर यह बात बताई। इस पर गुरु हंसे फिर बोले- बेटा! एक पाई की भूल मिलने से तुम इतने प्रसन्न हो और इस संसार के मायाजाल जैसी महाभूल को अपनाए हुए हो। इस पर कभी सोचा है? यह सुनते ही एकनाथ जी के भीतर वैराग्य जागा और दुनिया के कामकाज से उनका मोहभंग हो गया। उन्होंने उसी समय सब कुछ छोड़ देने का फैसला किया। वे अपने गुरु से दीक्षा लेकर पर्वत पर जाकर तपस्या करने लगे। तपस्या के बाद वे अपनी जन्मभूमि के निकट पिपलेश्वर महादेव में रहने लगे। पर थोड़े ही समय बाद वे विवाह कर गृह संन्यासी बन गए। एकनाथ जी ने गुरू के आदेश का पालन किया। विवाह के बाद उनके घर में नित्य कीर्तन होता और अन्न वितरण किया जाता। एक दिन कीर्तन में कुछ चोर आ गए। उन्होंने घर का सभी सामान समेट लिया। फिर उन्होंने देवमूर्ति के आभूषण चुराने का प्रयास किया। वहीं एकनाथ जी ध्यानमग्न बैठे थे। उन्होंने चोरों से कहा- तुम्हें इनकी बहुत अधिक आवश्यकता होगी अन्यथा इतनी रात गए भला कोई जोखिम क्यों उठाता? तुम सब मुसीबत के मारे लगते हो। चिंता मत करो। मुझसे जो मदद होगी, मैं करूंगा। यह कहते हुए उन्होंने अपनी उंगली की अंगूठी भी उतार कर उन्हें दे दी। यह देख चोर लज्जित हुए। वे एकनाथ जी के चरणों में गिर गए और उन्होंने कभी चोरी न करने का संकल्प लिया।

18 राज्यों के सेनानी पदाधिकारियों ने दिल्ली चलो की भरी गई हुंकार

डॉ श्रीगोपाल नारसन

स्वतंत्रता सेनानी परिवार राष्ट्रीय समन्वय समिति की उत्तराखंड में आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता वरिष्ठ स्वतंत्रता संग्राम सेनानी प्रह्लाद प्रसाद प्रजापति ने की। इस बैठक में देशभर के 18 राज्यों से चयनित 51 सदस्यों की *स्वतंत्रता सेनानी परिवार राष्ट्रीय समन्वय समिति को आशीर्वाद तथा मार्गदर्शन देने आए प्रह्लाद प्रसाद प्रजापति , ले. आर माधवन, अनन्त लक्ष्मण गुरव तीनों स्वतंत्रता संग्राम सेनानी भारत सरकार द्वारा बनाई गई एमिनेंट कमेटी के सदस्यों के साथ ही 113 वर्षीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी ?स्वामी लेखराज , राम विचार पाण्डेय, अवतार सिंह तथा भारत भूषण विद्यालंकार की उपस्थिति से समन्वय समिति के सभी सदस्य गौरवान्वित महसूस कर रहे थे। इनके अतिरिक्त इस समन्वय समिति की बैठक में नवाब मज्जु खान के वंशज सलीमुद्दीन खान, शहीद बलभद्र सिंह के वंशज आदित्य भान सिंह तथा शहीद जगदीश वत्स के भांजे श्री गोपाल नारसन भी समन्वय समिति की बैठक में शामिल रहे।

बैठक में सर्वप्रथम उपस्थित स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का सम्मान आयोजकों द्वारा सूत की माला पहनाकर किया गया। इसके पश्चात स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी परिवार समिति (रजि.) के राष्ट्रीय महासचिव जितेन्द्र रघुवंशी ने 51 सदस्यीय समन्वय समिति की घोषणा की, जिसका सभी सदस्यों ने हर्षध्वनि के साथ स्वागत किया। समन्वय समिति के सदस्यों ने संयोजक के रूप में जितेन्द्र रघुवंशी को मनोनीत किया और ग्यारह सदस्यीय कोर कमेटी का भी गठन किया गया। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि अगस्त के प्रथम सप्ताह में देश भर के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं उत्तराधिकारियों के द्वारा सामूहिक रूप से अमृत महोत्सव वर्ष में बापू की समाधि राजघाट पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद *स्वतंत्रता सेनानी परिवार सम्मान यात्रा* निकाली जाएगी, जिसमें प्रतिनिधियों द्वारा दिल्ली में एक बहुत बड़ा आयोजन अमृत महोत्सव वर्ष के अवसर पर किया जाएगा। इस अवसर पर स्वतंत्रता सेनानियों तथा उनके उत्तराधिकारियों की समस्याओं पर विचार

विमर्श किया जाएगा तथा एक प्रतिनिधिमंडल माननीय प्रधानमंत्री से मिलकर सेनानी परिवारों की समस्याओं के समाधान के लिए चर्चा करेगा।

समन्वय समिति की बैठक में संयोजक जितेन्द्र रघुवंशी ने हर सेनानी परिवार को अपने मकान के सामने राष्ट्रीय परिवार, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का नाम तथा अपने नाम का बोर्ड बनवाकर लगवाने के लिए प्रेरित किया गया, साथ ही संकल्प पत्र के सन्दर्भ में फैलाई जा रही भ्रान्तियों का भी समाधान किया गया। 30 जून तक अपने अपने प्रान्तों से हर सेनानी से संकल्प पत्र भरवाकर भेजने का भी आग्रह किया गया, ताकि 30 जून के बाद संकल्प पत्रों के मूल्यांकन के आधार पर 51 सदस्यीय समन्वय समिति को 75 सदस्यीय बना कर हीरक जयंती के 75 मनकों को दिल्ली कार्यक्रम की जिम्मेदारी सौंपी जा सके।

संयोजक ने भारत सरकार से भी आग्रह किया कि स्वतंत्रता सेनानी परिवारों की अलग से जन गणना कराए, ताकि सेनानी परिवारों की वास्तविक संख्या की जानकारी मिल सके। बैठक के अन्त में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के प्रतिनिधि के रूप में राज्यसभा सांसद नरेश बंसल ने सभी स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का सम्मान किया और समन्वय समिति के सदस्यों को आश्वासन दिया कि हरिद्वार में शहीद जगदीश वत्स स्वतंत्रता सेनानी सेवा सदन बनाने के लिए अपने स्तर पर यथाशक्ति प्रयास करेंगे और मुख्यमंत्री से शिलान्यास करवाएंगे। अगस्त माह में दिल्ली में होने वाले *स्वतंत्रता सेनानी परिवार सम्मान यात्रा* में भी अपने स्तर पर सहयोग करेंगे। इस अवसर पर उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष करण माहरा व उपाध्यक्ष मथुरादत्त जोशी ने भी सभी स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को सम्मानित किया। बैठक में मुख्य रूप से सुरेन्द्र कुमार सैनी, अवधेश पंत, अजय सीतलानी , सुरेंद्र बुटोला, हरी राम गुप्ता, सलीमुद्दीन फारूखी, इशरत उल्ला खान, रमेश कुमार मिश्रा, सुरेश चंद्र बबेले, चंद्र प्रकाश दीक्षित, विमलेश पांडे, राजेश सिंह, शक्ति पाल सिंह, सुरेंद्र दुबे, अरविंद गुप्ता, राकेश चौरसिया, डॉ संजय द्विवेदी, गिरिजा शंकर राय तथा महंथ प्रजापति सहित समन्वय समिति के सभी सदस्यों ने अपने अपने सुझाव रखे और सभी ने एक स्वर से दिल्ली आयोजन को गरिमामय तथा विराट स्वरूप देने का आश्वासन दिया।

असंवेशनशील सरकारें- उग्र एवं हिंसक प्रदर्शन

सूडोकु नवताल- 6105

★★★★☆ मध्यम

9		2		4	1	7		
1						6		
5	7	3	2				4	
				9	4	8		
4		7				9		6
		5	8	3				
	3				6	5	9	1
		6						7
		9	1	8		2		4

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6104 का हल

5	4	9	1	8	3	2	6	7
1	2	6	4	9	7	3	5	8
3	8	7	5	2	6	1	4	9
8	7	1	3	4	2	6	9	5
9	5	3	6	1	8	7	2	4
2	6	4	7	5	9	8	1	3
4	3	5	2	7	1	9	8	6
6	9	2	8	3	4	5	7	1
7	1	8	9	6	5	4	3	2

सनत कुमार जैन

देश भर में उग्र एवं हिंसक प्रदर्शन बढ़ते ही जा रहे है। केन्द्र एवं राज्य सरकारों के सामने कानून व्यवस्था की स्थिति बनाये रखना बड़ी चुनौती साबित हो रहा है। पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से टेक्स एवं शुल्क बढ़े है। उससे आम आदमी का जीवन दूभर हो गया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पेट्रोल-डीजल के दाम कम होने पर भी एक्साईज डियूटी को बढ़ाकर दाम बढ़ाये गए। जीएसटी में 18 से 28 फीसदी का टेक्स राज्य सरकारों, स्थानीय संस्थाओं, बिजली कम्पनियों द्वारा टेक्स एवं शुल्क लगातार बढ़ाये जाते रहे हैं। राज्य एवं केंद्र सरकार द्वारा टैक्स एवं शुल्क की सख्ती से वसूली, बिजली पानी एवं स्थानीय करों की वसूली में सख्ती के साथ-साथ कुर्की डिग्री की कार्यवाही, मंहगाई, बेरोजगारी, संविदा में नौकरी, सीमित आय पर असीमित खर्च ने आम आदमियों के नियमित जीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। कोरोना की बीमारी के बाद आर्थिक स्थिति भयावह होने के बाद भी सरकारों का आम जनता के प्रति असंवेदनशील रवैये ने, आम आदमी की मुसीबतों का बढ़ाया है। पिछले कुछ बर्षों में ग्रामीण अंचलों में तेजी से कर्ज लिया जा रहा है। कर्ज लेकर लोगों ने अपनी जरुरतों को पूरा करने का प्रयास किया है। अब आम आदमी अब कर्ज की मासिक किस्तें भी जमा नहीं कर पा रहा है। घर का मासिक खर्च भी चलाना मुश्किल हो रहा है। ऐसी स्थिति में केंद्र एवं राज्य सरकारों को ज्यादा लोगों के प्रति

संवेदनशील होने की जरुरत थी। उसके स्थान पर केंद्र सरकार, राज्य सरकारें एवं स्थानीय प्रशासन टेक्स एवं शुल्क का बोझ आम जनता पर डालकर अपना खजाना भरने में लगे है।

पिछले वर्षों में वन रैंक वन पेंशन को लेकर सैनिकों का आंदोलन लगभग 90 दिन चला। सरकार ने बात नहीं की। कृषि कानूनों को लेकर किसानों का आंदोलन एक साल से ज्यादा समय तक चला। 2017 में दक्षिण भारत के किसानों ने लगभग 86 दिनों तक जंतर-मंतर पर धरना प्रदर्शन किया। सरकार ने उनकी नहीं सुनी। फिल्म एवं टेलीविजन इंस्टीट्यूट पूना के छात्रों ने 150 दिन तक प्रदर्शन एवं भूख हड़ताल की। सीएए तथा एनआरसी के विरोध में 101 दिन प्रदर्शन चला। इसके अलावा देश भर में संविदाकर्मियों, बैंक कर्मियों इत्यादि के सैकड़ों प्रदर्शन हुए। केंद्र एवं राज्य सरकारों ने शांतिपूर्ण चल रहे प्रदर्शन को लेकर संवेदनशीलता के साथ नहीं निपटा। उल्टे सख्ती के साथ आंदोलनों को दबाने का प्रयास किया जिसके परिणाम स्वरुप आम लोगों में गुस्सा बढ़ता ही जा रहा है।

बढ़ती हुई बेरोजगारी, स्नातक एवं परास्नातक युवाओं को नौकरी नहीं मिलना, प्रदर्शन एवं आंदोलन के दौरान सख्ती करना, प्रदर्शनकारियों से वार्ता नहीं करना, मंहगाई एवं बेरोजगारी ने युवाओं के साथ आम आदमी को उग्र बना दिया है। कोविड 19 के बाद देश में मध्यम एवं निम्न वर्ग की आय तेजी से घटी है। इसी बीच उनके खर्चे बढ़ते जा रहे है। सरकारी टैक्स, शुल्क, जुर्माने, कर्ज को वसूलने में सख्ती से आम आदमी उग्र हो रहा है। ऐसी स्थिति में सरकारों को प्रदर्शनकारियों के साथ सहानूभुति पूर्वक चर्चा करनी चाहिए। समस्याओं का निराकरण हो, तभी उग्र प्रदर्शन एवं हिंसक आंदोलन को रोका जा सकता है। सरकार गरीबी रेखा के परिवारों को निऱ्शुल्क अनाज तथा न्यूनतम पेंशन देकर जरुर वाहवाही लूट लेती है। सरकारों की यह सहायता भी उंट के मुंह में जीरा के समान साबित हो रही है। जिससे निम्न एवं मध्यम वर्ग का गुस्सा बढ़ रहा है। युवा आत्महत्या कर रहे है। आर्थिक कारणों से परिवार के सदस्यों में झगड़े हो रहे है। कर्ज के बोझ और बेरोजगारी से तंग परिवार का मुखिया, आर्थिक कारणों से पत्नी और बच्चों के साथ आत्महत्या करने की घटनायें दिनों दिन बढ़ रही है। सरकारें आम जनता के कष्ट में सहभागी बनकर संवेदनशीलता का परिचय दें। सभी उग्र एवं हिंसक प्रदर्शनों में रोक लगाई जा सकती है। वर्तमान स्थिति में तो यही कहा जा सकता है कि रोम चल रहा था, नीरो बंशी बजा रहा था।

राजस्थान राजनीतिक रण के विजयी योद्धा अषोक गहलोत !

भरत मिश्र प्राची

अभी हाल ही में राजस्थान राज्य से राज्य सभा की चार सीट के लिये हुये चुनाव में इस बार कांग्रेस ने अपनी ओर से प्रमोद तिवारी, मुकुल वासनिक एवं रणदीप सुरजेवाला , भाजपा ने अपनी ओर से घनष्याम तिवारी एवं निर्दलीय उम्मीदवार सुभाश चंद्रा को समर्थन देकर चुनाव को रोचक बना दिया। जबकि कांग्रेस की ओर से खड़े किये गये तीनों उम्मीदवार राजस्थान से बाहर केन्द्र के इसारे पर खड़े किये गये जहां कांग्रेस में अंदरूनी बगावत होने के आसार नजर आने लगे जिसका लाभ भाजपा को मिलने की पूरी उम्मीद थी। पर इस चुनाव में कांग्रेस की बागडोर राजस्थान राज्य के वर्तमान मुख्य मंत्री अषोक गहलोत के पास रही जिसने विपरीत परिस्थितियों में अपनी राजनीतिक सूझबूझ से 4 सीट में 3 सीट पर कांग्रेस प्रत्याषी को विजय श्री दिलाकर राजस्थान राजनीतिक रण के विजयी योद्धा सिद्ध हुये। एक सीट भाजपा के पास गई एवं भाजपा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार की हार । सम्पन्न हुये इस बार राजस्थान से राज्य सभा के चुनाव में जीत के लिये 41 वोट जरूरी मानक रहा। कांग्रेस प्रत्याषी रणदीप सुरजेवाला को 43, मुकुल वासनिक को 42 एवं प्रमोद तिवारी का 41 कुल 126 वोट मिले जिसमें कांग्रेस के 108, निर्दलीय 13, 1 आएलडी , 2 सीपीएम एव 2बीटीपीं के वोट षामिल रहे। भाजपा प्रत्याषी घनष्याम तिवारी को 43 एवं भाजपा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार सुभाश चंद्रा को 30 वोट मिले। इस चुनाव में अपने अपने उम्मीदवरों को सुरक्षित रखने के लिये बाड़ेबंदी भी हुई फिर भी कांग्रेस के 1 वोट खारिज होने एवं 1 भाजपा के वोट कांग्रेस प्रत्याषी को मिलने के समाचार उजागर हो रहे है। यह चुनाव कांग्रेस नेतृत्व अषोक गहलोत के लिये राजनीतिक चुनौति के रूप में उभरकर सामने आया जिसमें वे सभी कांग्रेस जनों को एक साथ रखते हुये अपने को एक सफल नायक की भूमिका में उभारते नजर आये। इससे पूर्व भी अषोक गहलोत के सामने वर्तमान कार्यकाल में राजनीतिक भूचाल आया जहां इनके अपने खास राह से भटकते नजर आये। राजनीतिक परिवर्तन की नौबत भी आ गई जहां कांग्रेस के प्रदेष अध्यक्ष तक बदले गये। सरकार गिरने की नौबत आ गई। विपक्षी खेमे में मध्यप्रदेष की तरह सत्ता परिवर्तन होने की सुगबुगाहट जाग उठी पर इस विकट परिरिथति में भी अषोक गहलोत अचल खड़े रहे एवं अपनी राजनीतिक सूझबूझ का परिचय देते हुए संकटकाल से विरोधियों को मात देते हुये सरकार को गिरने से बचाकर राजनीतिक कद में षिखर तक पहुंच गये जहां इनके विरोधी इनका विरोध करते घबड़ाते नजर आने लगे।

मतदान कर्मी निष्पक्ष होकर मतदान करायें: कलेक्टर

मतदान दल ईव्हीएम की बारीकियों को समझें

मुरैना।

नगरीय निकाय निर्वाचन 2022 को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शान्तिपूर्ण सम्पन्न कराने के लिये मतदान कर्मियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। मतदान कर्मी निष्पक्ष होकर मतदान करायें। मतदान के दौरान किसी भी प्रकार की त्रुटि न हो, इसलिये प्रशिक्षण के हर बिन्दुओं को गंभीरता से समझे, समझ में नहीं आये तो उसे बार-बार पूछे। यह निर्देश शुक्रवार को कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन बी.कार्तिकेयन ने मास्टर ट्रेनर्स को दिये, जिसका वे पीठासीन अधिकारी और पी-1 को प्रशिक्षण दे रहे थे। यह प्रशिक्षण पॉलीटेक्निक कॉलेज मुरैना में 16 जून से 18 जून तक दिया जा रहा है। जिला शिक्षाधिकारी सुभाष शर्मा, डीपीसी डीके शर्मा ने बताया कि नगरीय निकाय में 4 हजार 77 लोगों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रत्येक पॉलिंग पार्टियों में 4 लोग रहेंगे। जिला शिक्षाधिकारी ने बताया कि 8 नगरीय निकायों में 635 मतदान केन्द्र बनाये गये है। मतदान केन्द्रों पर सीसीटीव्ही कैमरों का प्रबंध किया जा रहा है। ई.व्ही.एम एवं व्ही.व्हीपैट एवं निर्वाचन सामग्री प्राप्त करने के बाद मतदान दल सुरक्षा के अधीन अपने निर्दिष्ट मतदान केन्द्र के लिये प्रस्थान कर जाते है। मतदान के बाद क्लोज बटन दबाना न भूलें।

बगैर लिखित अनुमति के सम्पत्ति विरूपित करने पर लगेगा जुर्माना

मुरैना। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी बी.कार्तिकेयन ने मध्यप्रदेश सम्पत्ति विरूपण अधिनियम के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। उन्होंने आदेश में स्पष्ट किया है कि चुनाव प्रक्रिया के दौरान विभिन्न राजनैतिक दल या चुनाव लड़ने वाले अभ्यर्थी या विज्ञापन कम्पनियों के लिए किसी भी शासकीय अशासकीय सम्पत्ति को सम्बन्धित विभाग या भवन स्वामी की अनुमति के बिना विरूपित करना प्रतिबंधित रहेगा। साथ ही सम्पत्ति को स्याही, खड़िया रंग या किसी अन्य पदार्थ से लिखकर या चिन्हित करके विरूपित करना दण्डनीय होगा। ऐसा किये जाने पर सम्बन्धित विभाग या भवन स्वामी के द्वारा सम्पत्ति विरूपण बावत थाने में प्रथम सूचना दर्ज कराई जा सकेगी।

बीयू, सीयू एवं व्हीव्हीपैट प्राप्त करने के पश्चात की जाने वाली कार्यवाही

बीयू, सीयू एवं व्हीव्हीपैट के यूनिट आईडी क्रमांक का प्रदाय की गई सूची से मिलान करें। बीयू, सीयू, एवं व्हीव्हीपैट के एड्रेस टेग की जांच करें। व्हीव्हीपैट के पीछे का पेपर नॉब (काले कलर का स्वीच) चौक करें। व्हीव्हीपैट को सीधे सूर्य के प्रकाश में अत्यधिक तेज रोशनी में जैसे हेलोजन बल्ब, हाई वोल्टेज बल्ब आदि की रोशनी में नहीं रखना है। पोलिंग पार्टी को किसी भी परिस्थिति में मशीन प्राप्त करने के पश्चात से मॉकपोल के पूर्व तक, किसी भी प्रकार का टेस्ट व्हीव्हीपैट पर नहीं करना है। ईव्हीएम में वोट देनें के लिये नीला बटन दबाने के बाद एक लंबी बीप की आवाज सुनाई देगी और रेड बटन जलेगा। व्हीव्हीपैट में जिस पर एक पर्ची प्रत्याशी का सरल क्रमांक, नाम एवं उसका चुनाव चिन्ह होगा, 7 सेकेण्ड तक दिखाई देगी, तत्पश्चात पर्ची ड्राप बॉक्स में अंदर गिर जायेगी।

बिना प्रिंट लाईन के प्रकाशित नहीं हो सकेगी कोई भी सामग्रीः कलेक्टर

मुरैना। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी बी.कार्तिकेयन ने कहा है कि राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान कोई भी ऐसी सामग्री का प्रकाशन या प्रसारण नहीं किया जा सकेगा। जिसमें उसके मुद्रक व प्रकाशक का नाम, पता अंकित न हों तथा कोई भी मुद्रक बिना पहचान पत्र प्राप्त किए किसी भी व्यक्ति द्वारा प्रदत्त सामग्री का मुद्रण नहीं कर सकेगा।

6 आदर्श मतदान केन्द्र बनाये गये

मुरैना। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग भोपाल के निर्देशानुसार त्रि-स्तरीय पंचायत एवं नगरीय निकाय के आम निर्वाचन 2022 के लिये 6 आदर्श मतदान केन्द्रों की स्थापना की गई है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (स्थानीय निर्वाचन) श्री बी.कार्तिकेयन ने बताया है कि जिन मतदान केन्द्रों को आदर्श मतदान केन्द्र बनाया है, उनमें जनपद पंचायत जौरा के मतदान केन्द्र क्रमांक 184 नवीन अतिरिक्त कक्ष पूर्वी भाग कुम्हेरी, मतदान केन्द्र क्रमांक 184 नवीन अतिरिक्त कक्ष उत्तरी भाग कुम्हेरी, जनपद पंचायत पोरसा के मतदान केन्द्र क्रमांक 165 मा.वि.भवन रजौधा उत्तरी भाग, जनपद पंचायत सबलगढ़ के मतदान केन्द्र क्रमांक 193 उ.मा.वि.बीटीआई भवन सबलगढ़ भाग-1, जनपद पंचायत अम्बाह के मतदान केन्द्र क्रमांक 164 प्रा.वि.अतिरिक्त कक्ष लल्लूबसई और मुरैना जनपद पंचायत के मतदान केन्द्र क्रमांक 253 मा.वि. कक्ष क्रमांक 1 नूरावाद में स्थापित किया है। इन सभी 6 मतदान केन्द्रों पर सभी व्यवस्था पूर्ण कर ली गई। संबंधित जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिम्मेदार होंगे।

नाम-निर्देशन पत्र का अंतिम दिन आज, संवीक्षा 20 जून को

मुरैना। नगरीय निकाय निर्वाचन-2022 में नाम निर्देशन-पत्रों का अंतिम दिन आज 18 जून शनिवार को अपरान्ह 3 बजे तक रहेगा। इसके बाद नाम-निर्देशन पत्रों की संवीक्षा 20 जून को सुबह 10:30 बजे से होगी। संवीक्षा के दौरान अभ्यर्थी का निर्वाचन अभिकर्ता (यदि कोई हो), अभ्यर्थी का कोई एक प्रस्तावक और अभ्यर्थी द्वारा लिखित में प्राधिकृत कोई अन्य व्यक्ति उपस्थित रह सकते हैं। अभ्यर्थिता से नाम वापस 22 जून बुधवार को अपरान्ह 3 बजे तक ले सकते है। इसके बाद अभ्यर्थी को चुनाव चिन्हित आवंटित किये जायेंगे। मतदान प्रथम चरण का 6 जुलाई को नगर पालिका पोरसा और अम्बाह में और द्वितीय चरण का मतदान 13 जुलाई को मुरैना नगर निगम, बानमौर, जौरा, कैलारस, सबलगढ़ और झुण्डपुरा में प्रातः 7 से सायं 5 बजे तक होगा।

पूर्व नपा अध्यक्ष अजीत व उनकी पुत्रवधू आम आदमी पार्टी में शामिल, लड़ेंगी मेयर का चुनाव

मुरैना। नगर पालिका परिषद मुरैना के पूर्व अध्यक्ष रहे कांग्रेस नेता अजीत जाटव ने पहले भारतीय जनता पार्टी ज्वाइन की और काफी सालों तक पार्टी की सेवा करते रहे। भाजपा द्वारा उन्हें तवज्जो नहीं दिए जाने के चलते गत शुक्रवार को उन्होंने अपनी पुत्रवधू के साथ आम आदमी पार्टी की सदस्यता ले ली और इसके साथ ही आम आदमी पार्टी प्रदेश हाईकमान द्वारा उनकी पुत्र वधू ललिता जाटव को महापौर पद के लिए मैदान में उतार दिया है। आम आदमी पार्टी के जिला संयोजक विजयराजे सिंह परमार एवं अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं के समक्ष अजीत यादव एवं उनकी पुत्रवधू ललिता जाटव ने आम आदमी पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली और भाजपा को अलविदा कह दिया। अजीत जाटव कांग्रेस सरकार में मुरैना नगर पालिका के अध्यक्ष रह चुके हैं तथा कांग्रेस छोड़ने के बाद एक तरह से उनकी राजनीति विलुप्त हो गई थी। इसके चलते उन्होंने भाजपा की सदस्यता ले ली, काफी वर्षों तक भाजपा की सेवा करने के बाद भी उन्हें कोई तवज्जो नहीं मिली और अब उन्होंने आम आदमी पार्टी की सदस्यता लेकर अपनी पुत्रवधू को आगामी महापौर के चुनाव हेतु मैदान में उतार दिया है। इस अवसर पर आप जिलाध्यक्ष श्री परमार ने कहा कि आम आदमी पार्टी की महापौर प्रत्याशी निश्चित रूप से आम आदमी पार्टी दिल्ली के विकास मॉडल को लेकर चुनाव में जाएगी और जल्द ही अपना घोषणापत्र जारी करेंगी। हमारी पार्टी मुरैना में दिल्ली जैसे विकास का मॉडल खड़ा करेगी।

हेपेटाइटिस बी एवं सी से बचाव के उपाय

मुरैना। सिविल सर्जन डॉ. विनोद गुप्ता ने बताया कि हेपेटाइटिस बी. एवं सी रोग जो वायरस से होता है। हेपेटाइटिस बी. एवं सी संक्रमित व्यक्ति के शारीरिक असुरक्षित यौन संबंध व संक्रमित व्यक्ति के रक्त से फैलता है। यह वायरस आमतौर पर प्रसव के दौरान मां से बच्चे में फैलता है। डॉ. गुप्ता ने बताया कि हेपेटाइटिस बी. एवं सी एक वायरल इन्फेक्शन है, जिससे लीवर से संबंधित बीमारी होती है, इससे कई बार लीवर संबंधी गंभीर नुकसान पहुंचता है और कैंसर भी हो सकता है। यह बीमारी खतरनाक है, क्योंकि आधे से ज्यादा संक्रमित लोगों को पता नहीं होता है। इस बीमारी के लक्षण दिखायी नहीं देते है या लक्षण सामने आने में लगभग 10 वर्ष लग जाते है। इसलिये हेपेटाइटिस बी. एवं सी की जांच समय-समय पर ब्लड टेस्ट करवाने की सलाह सिविल सर्जन डॉ. गुप्ता ने दी है। हेपेटाइटिस बी. एवं सी के लक्षण जैसे बहुत ज्यादा थकान, भूख न लगना, त्वचा व आंखों का पीला होना, पेशाव का रंग गहरा होना, खुजली होना, पैरों में सूजन, अचानक वजन कम होना, चक्कर आना, बोलने में परेशानी होना एवं मासपेशियों में दर्द होना आदि है। हेपेटाइटिस के नोडल ऑफीसर डॉ. धर्मेन्द्र गुप्ता है। नोडल ऑफीसर डॉ. धर्मेन्द्र गुप्ता ने बताया कि इसके बचाव के लिये नशे से बचे, किसी अन्य के द्वारा इस्तेमाल की गई सुई या नीडल का इस्तेमाल न करें, असुरक्षित शारीरिक यौन संबंध न बनायें। हेपेटाइटिस बी. एवं सी की गर्भावस्था के दौरान सभी गर्भवती महिलाओं की जांच व स्क्रीनिंग करायें, जो हर सामुदायिक केन्द्रों पर होती है और सभी शिशुओं को जन्म के समय 24 घंटे के अंदर हेपेटाइटिस का टीका अवश्य लगवायें, जिससे हेपेटाइटिस बी. एवं सी से बचा जा सके। हेपेटाइटिस बी. एवं सी के लिये जांच व स्क्रीनिंग कराना बहुत जरूरी है। जांच द्वारा ही हेपेटाइटिस बी. एवं सी से बचा जा सकता है।

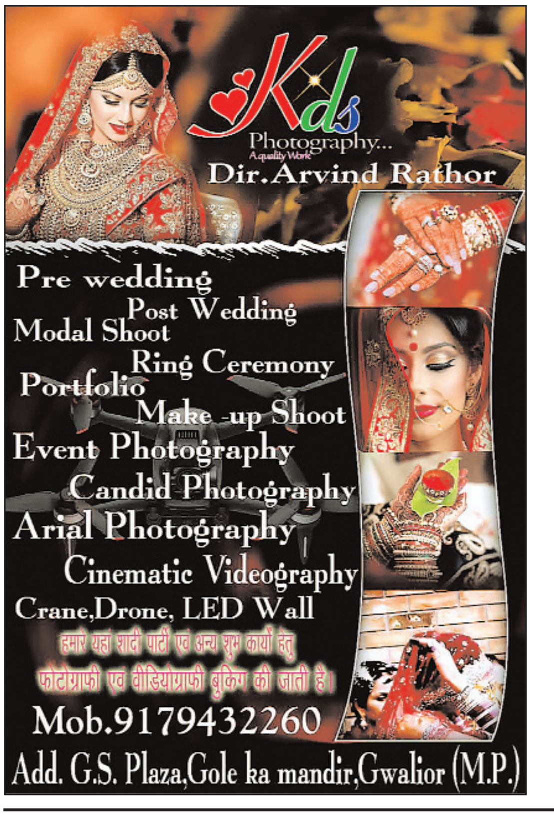

8वें अंतर्राष्ट्रीरा योग दिवस पर प्रदेश में होंगे व्यापक आरोजन

- प्रमुख सचिव आयुष ने जारी किये दिशा-निर्देश

मुरैना। प्रदेश में 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर व्यापक स्तर पर आयोजन किये जाएंगे। इस संबंध में प्रमुख सचिव प्रतीक हजेला ने जिला कलेक्टरों को दिशा-निर्देश जारी किये है। जिला मुख्यालय पर जिला स्तरीय सामूहिक योग किया जाएगा। इसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के संदेश का प्रसारण भी किया जाएगा। राज्यस्तर से जारी कार्यक्रम अनुसार प्रातः 6:20 बजे सहभागीगण की उपस्थिति सुनिश्चित की जाएगी। प्रातः 6:30 से 6:40 बजे तक मुख्यमंत्री के संदेश का प्रसारण होगा। इसके तत्काल बाद प्रधानमंत्री के संदेश का प्रसारण प्रातः 7 बजे तक होगा। प्रातः 7 बजे से सामान्य योग अभ्यास किया जाएगा। प्रदेश के स्कूलों एवं महाविद्यालय में योग दिवस के आयोजन के संबंध में स्कूल शिक्षा एवं उच्च शिक्षा विभाग द्वारा निर्देश जारी किये गए है। साथ ही प्रदेश के सभी जनपद एवं ग्राम पंचायत स्तर पर योग के सामूहिक कार्यक्रम के आयोजन के संबंध में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा निर्देश जारी किये गये है। आजादी के अमृत उत्सव में 75 स्थानों पर हो रहे है, विशेष आयोजन आजादी के अमृत उत्सव में प्रदेश के 75 स्थानों पर विशेष आयोजन किये जाएंगे। इनमें पुरातत्वीय एवं पर्यटन की दृष्टि से अपना विशेष स्थान रखने वाले स्थलों को चिन्हित किया गया है। योग का व्यक्ति के शारीरिक एवं मानसिक जीवन पर प्रभाव योग भावना के भंवरों का प्रतिकार है। इसमें जीवन का हर पहलू शामिल है। यह सदभाव बनाने के लिये दुनिया के साथ जुड़ाव को बढ़ावा देता है।

भारत निर्वाचन आयोग के ऑनलाईन पोर्टल पर सीएससी ई-गवर्नेंस सर्विसेस इंडिया लिमिटेड की सेवाएं समाप्त

मुरैना। राजेश कुमार कौल अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, मध्यप्रदेश के निर्देशानुसार भारत निर्वाचन आयोग के ऑनलाईन पोर्टल पर सी.एस.सी. ई-गवर्नेंस सर्विसेस इंडिया लिमिटेड की सेवाएं समाप्त की गई है। जिसके द्वारा मध्यप्रदेश राज्य में आम नागरिको को मतदाता सूची में आयोग के पोर्टल पर ऑनलाईन नाम जुड़वाने, कटवाने, सुधारने, विवरणों में सत्यापन कराने, सर्च कराने आदि कार्य हेतु त्वरित एवं सहज सुविधा के लिए सी.एस.सी. ई-गवर्नेंस सर्विसेस इंडिया लिमिटेड को आयोग द्वारा निर्धारित दरों पर कार्य करने की अनुमति दी गई थी। आयोग से प्राप्त निर्देशों के परिपालन में सूचित किया जाता है कि यह सेवा तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दी गई है। अतः यह सुनिश्चित करें कि कॉमन सर्विस सेन्टर के माध्यम से निर्वाचन से संबंधित सेवा न ले एवं इसकी जानकारी सभी ई.आर.ओ, ए.ई.आर .ओ इत्यादि को भी दे। निर्वाचको से संबंधित निःशुल्क सेवाओं जैसे एन.वी.एस.पी, वी.एच.ए, गरूड एप का स्वीप गतिविधियों के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार किया जावे और यह भी अवगत कराया जावे कि निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय में यह सेवाएं उपलब्ध है। कॉमन सर्विस सेन्टर के माध्यम से ली जाने वाली सेवाओं को समाप्त किये जाने के उपरांत यदि आपको पूर्व में सी.एस.सी द्वारा दी जा रही सेवाओं के न होने से यदि किसी प्रकार की कठिनाई होती है तो इसकी जानकारी 30 जून तक अनिवार्य रूप से उपलब्ध करावें।

नगर निगमों में भेजे जायेंगे व्यय प्रेक्षक : राज्य निर्वाचन आयुक्त

श्री सिंह ने की निर्वाचन तैयारियों की समीक्षा

मुरैना। राज्य निर्वाचन आयुक्त बसंत प्रताप सिंह ने कहा है कि नगरपालिका निगमों में व्यय प्रेक्षक भी भेजे जायेंगे। यह व्यवस्था पहली बार की जा रही है। इससे पहले केवल निर्वाचन प्रेक्षक ही भेजे जाते थे। वित्त एवं वाणिज्यिक कर विभाग के सेवानिवृत्त अधिकारी व्यय प्रेक्षक बनाये जायेंगे।

शिकायतों का करें त्वरित निराकरण

राज्य निर्वाचन आयुक्त श्री सिंह ने कहा कि शिकायतों का त्वरित निराकरण किया जाये। आदर्श आचरण संहिता के उल्लंघन के प्रकरणों में संबंधित जिलों से रिपोर्ट लें। वर्षा के कारण प्रभावित मतदान केन्द्रों के परिवर्तन की अनुमति जल्द दें। श्री सिंह ने ई.व्ही.एम, मतपेटी, मतपत्रों, की छपाई और निर्वाचन सामग्री की उपलब्धता की भी समीक्षा की। सचिव राज्य निर्वाचन आयोग राकेश सिंह, ओएसडी दुर्ग विजय सिंह, उपसचिव अरूण परमार एवं अन्य अधिकारी उपस्थति थे।

पहला सुख निरोगी काया: कलेक्टर

अनिल कुशवाह ब्युरो
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- फिट इंडिया के अंतर्गत खेलो एमपी कार्यक्रम में संयुक्त संचालक लोक शिक्षण संभाग ग्वालियर के मार्गदर्शन में ग्वालियर संभाग के समस्त जिलों के हाईस्कूल एवं हायर सेकेण्डरी स्कूलों में पदस्थ खेल प्रभारी शिक्षकों का आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं नीति कार्यशाला का आयोजन फिजिकल कॉलेज शिवपुरी में किया गया। इस दौरान 14 खेलों की आधारभूत जानकारी खेलों के विशेषज्ञ मास्टर ट्रेनर्स के द्वारा 958 खेल प्रभारी शिक्षकों को दी गई। जिसमें महिला शिक्षकों ने भी भाग लिया।

समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कलेक्टर श्री अक्षय कुमार सिंह उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पुलिस अधीक्षक श्री राजेश सिंह चंदेल ने की। जबकि विशिष्ठ अतिथि के रूप में संयुक्त संचालक लोक शिक्षण संभाग ग्वालियर दीपक कुमार पाण्डेय द्वारा किया गया।

मंचासीन अतिथियों में जिला शिक्षा अधिकारी श्री संजय श्रीवास्तव, मंचासीन अतिथि सहायक संचालक खेल ग्वालियर श्री अशोक शर्मा, फिजीकल कॉलेज के प्राचार्य जगदीश मकवाना, जिला क्रीड़ा अधिकारी श्री महेन्द्र सिंह तोमर विशेष रूप से मंचासीन थे।

कार्यक्रम शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती एवं अमर शहीद तात्याटोपे की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इसके उपरांत मंचासीन अतिथियों का फिजिकल कॉलेज स्टाफ द्वारा माल्यार्पण कर स्वागत किया गया।

कलेक्टर श्री अक्षय कुमार सिंह ने खेल प्रभारी शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि पहला सुख निरोगी काया है। स्वस्थ शरीर के लिए खेलों का विशेष महत्व है। यदि शरीर स्वस्थ्य रहेगा तभी व्यक्ति जीवन के सभी क्षेत्रों में सफल हो सकेगा।

पुलिस अधीक्षक श्री राजेश सिंह चंदेल ने कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ खेल जीवन का महत्वपूर्ण अंग है। खेलों के माध्यम से व्यक्ति अपने साथ देश का नाम भी रोशन कर रहा है। संयुक्त संचालक श्री दीपक पाण्डेय ने कहा कि इस आधारभूत प्रशिक्षण के माध्यम से खेल प्रभारी द्वारा स्कूल के बच्चों के जीवन में बहुत उपयोगी साबित होंगे।

इस अवसर पर मंचासीन अतिथियों द्वारा खेलों एमपी पत्रिका का विमोचन किया गया एवं कार्यक्रम में शादाब खांन, श्रीमती राजकुमारी जाटव, श्रीमती सीमा बाथम को उत्कृष्ट कार्य के लिए अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। मंचासीन अतिथियों को प्रतीक चिन्ह प्राचार्य जगदीश मकवाना, जे.डी. दीपक पाण्डेय, जिला शिक्षा अधिकारी श्री संजय श्रीवास्तव द्वारा दिए गए। वहीं रस्साकशी में विजेता डी ग्रुप एवं ए ग्रुप उपविजेता, शील्ड प्रदान किया गया। प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले खेल प्रभारियों को अतिथियों द्वारा प्रमाण पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम का संचालन अजय बाथम, आभार फिजिकल कॉलेज प्राचार्य जगदीश चंद्र मकवाना ने किया। इस मौके पर काफी संख्या में खेल प्रभारी एवं समस्त स्टाफ उपस्थित था।

एक शाम गौमाता के नाम विशाल भजन संध्या का आयोजन हुआ

पुष्पाजंली टुडे

भिलवाड़ा ~मेवाड़ के निंबाहेड़ा स्थित केसरिया नाथ गौशाला में आयोजित एक शाम गौ माता के नाम विशाल भजन संध्या मैं भजन कलाकार ओम मुंडेल ने अपनी मन मोहक प्रस्तुति से गो भक्तों का मन मोह लिया मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने अपने वक्तव्य में कहा जिस घर में गाय एवं गाय का बछड़ा होता है वह घर स्वर्ग के तुल्य है गौ सेवा हम सब का कर्तव्य है गौशाला के अध्यक्ष माणकचंद भटेवरा एवं मंत्री प्रहलाद त्रिपाठी ने मुख्य अतिथि एवं कलाकार माला व साफा पहनाकर सम्मानित किया

स्कूल चले अभियान 2022 का प्रथम चरण प्रारंभ

अनिल कुशवाह ब्युरो
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- शासन निर्देशानुसार स्कूल चले अभियान के प्रथम चरण वर्ष 2022-23 का अकादमिक सत्र आज शुक्रवार से प्रारंभ किया गया है। कलेक्टर एवं जिला मिशन संचालक श्री अक्षय कुमार सिंह ने जिले के समस्त बीईओ बीआरससीसी, जन शिक्षा केन्द्र प्रभारी एवं जन शिक्षकों को निर्देश दिए है कि शासन के निर्देशों का समय-सीमा में शत-प्रतिशत पालन किया जाना सुनिश्चित करें। स्कूल चले अभियान 2022 के प्रथम चरण में विभिन्न गतिविधियां समय-सीमा में संपादित की जाएगी। जिसमें जिला, विकासखण्ड एवं स्थानीय स्तर पर 17 जून से शिक्षा सत्र एवं स्कूल चले अभियान प्रारंभ होने की जानकारी हेतु व्यापक प्रचार प्रसार किया जाएगा। प्रत्येक विद्यालय में एस.एम.सी की बैठक अनिवार्य रूप से आयोजित की जायगी। प्रत्येक प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय में प्रवेशोत्सव मनाया जाएगा एवं विशेष भोज (मध्यान भोजन) का आयोजन किया जाएगा। विद्यार्थियों का प्रवेश आज शुक्रवार से ही प्रारंभ किया जाएगा। गतवर्ष के 01 से 07 तक कक्षाओं के बच्चों को 02 से 08 तक कक्षाओं में और कक्षा 08 उत्तीर्ण बच्चों को कक्षा 09 में प्रवेश दिया जाएगा। बालसभा का आयोजन 18 जून को किया जाएगा। शासन के प्रावधान अनुसार पात्र हितग्राहियों को छात्रावासों में प्रवेश दिये जाएगा। इसमें कोरोना काल की विभीषिका में जिन बच्चों के माता या पिता या दोनों नहीं रहे हो उन्हे प्राथमिकता दें। पीएम केयर योजना में चिन्हित बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा में लाने हेतु समुचित कार्यवाही की जाएगी। प्रत्येक विद्यालय के संस्था प्रमुख द्वारा 17 जून से ही प्रतिदिन एम-शिक्षा मित्र एप पर शाला में उपस्थित विद्यार्थियों की संख्या एवं शिक्षकों की उपस्थिति दर्ज की जाएगा।

प्रत्येक कंट्रोल यूनिट, बैलेट यूनिट और डी.एम.एम. की पहचान के लिए होता है

भोपाल। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा एक से अधिक पदों का निर्वाचन एक साथ इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन के माध्यम से कराने के लिए मल्टीपोस्ट ईव्हीएम का उपयोग किया जाता है। कंट्रोल यूनिट, बैलेट यूनिट और डिटचेबल मेमोरी मॉड्यूल (डी.एम.एम.) आयोग की ईव्हीएम के मुख्य अंग हैं। प्रत्येक कंट्रोल यूनिट, बैलेट यूनिट और डी.एम.एम. की पहचान के लिए एक यूनिक आईडी नंबर होता है। कंट्रोल यूनिट को ऑन करने पर उसमें लगी हुई डी.एम.एम का यूनिक आईडी नंबर डिस्प्ले होता है।

सचिव राज्य निर्वाचन आयोग राकेश सिंह ने जानकारी दी है कि आयोग द्वारा स्थानीय निकायों के निर्वाचन के लिए उपयोग की जाने वाली ईव्हीएम (कंट्रोल यूनिट, बैलेट यूनिट एवं डी.एम.एम.) इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इण्डिया लिमिटेड (ई.सी.आई.एल.) द्वारा निर्मित हैं। यह भारत सरकार के परमाणु ऊर्जा विभाग का सार्वजनिक उपक्रम है। निर्वाचन के लिए ईव्हीएम को तैयार करने के लिए ईव्हीएम की कमीशनिंग की जाती है। इसमें निर्वाचन लड़ने वाले अभ्यर्थियों अथवा उनके अभिकर्ताओं की उपस्थिति में कंट्रोल यूनिट के निर्धारित अभ्यर्थी खण्ड में डी.एम.एम. लगाई जाकर विहित रीति से सील किया जाता है। कमीशनिंग में कंट्रोल यूनिट में लगाई गई डी.एम.एम के यूनिक आईडी नंबर को वहाँ उपस्थित अभ्यर्थी या उनके अभिकर्ता द्वारा देखा जा सकता है और यूनिक आईडी नंबर को नोट भी किया जा सकता है। इसका मिलान मतदान पूर्व मॉकपोल, मतदान, मतगणना और डी.एम.एम. की सीलिंग में किया जा सकता है।

मतदान के समय मतदान का जो डाटा कंट्रोल यूनिट में स्टोर होता है, वही डाटा उसमें लगी डी.एम.एम. में भी समानांतर रूप से रिकॉर्ड होता है। मतगणना के बाद कंट्रोल यूनिट से डी.एम.एम. को निकाल कर सुरक्षित रूप से सीलबंद किया जाकर कोषालय में रखा जाता है। इस प्रकार कंट्रोल यूनिट अगले चरण के निर्वाचन के लिए मुक्त हो जाती है। सीलबंद डी.एम.एम. को 6 माह तक रखा जाता है। इसके बाद विधिक प्रकरण लंबित नहीं होने पर विनिष्टिकरण की कार्यवाही की जाती है।

फीडर ज्यादा फाल्ट हुए तो अधीक्षण यंत्री होंगे सीधे जिम्मेदार

आंकलित खपत वाले बिलों से मुक्ति के हो सघन प्रयास

प्रमुख सचिव ऊर्जा संजय दुबे ने इंदौर में समीक्षा बैठक में दिये निर्देश

भोपाल। मेंटेनेंस क्वालिटी का हो तो फीडर में ज्यादा फाल्ट नहीं आएंगे। यदि किसी 11 केवी फीडर पर माह के दौरान शहरों में 5 बार से ज्यादा और गाँवों में 10 से ज्यादा बार फाल्ट या अवरोध की स्थिति बनी, तो अधीक्षण यंत्री सीधे जिम्मेदार होंगे। बिजली उपभोक्ताओं को श्रेष्ठ सेवा देना, आपूर्ति निर्बाध देना और समय पर बिल राशि वसूलना प्रत्येक बिजली कर्मचारी और अधिकारी का लक्ष्य होना चाहिए। प्रमुख सचिव ऊर्जा संजय दुबे ने शुक्रवार को पश्चिम क्षेत्र बिजली वितरण कंपनी मुख्यालय में इंदौर एवं उज्जैन क्षेत्र के बिजली अधिकारियों की समीक्षा बैठक में यह निर्देश दिये। श्री दुबे ने कहा कि फीडरों की इंडेक्सिंग पर सभी जिलों के अधिकारी अत्यंत गंभीरता से कार्य करें। एक जुलाई से मैं डेश बोर्ड पर प्रदेश के सभी फीडर में चुनिंदा फीडरों की जानकारी लाइव देखूंगा। श्री दुबे ने निर्देश दिए कि फीडर की इंडेक्सिंग की जिम्मेदारी लाइनमेन, जेई, एई, डीई,

एसई और संबंधित रीजन के सीई तक की होगी। इसके बारे में इनसे पूछा जाएगा, गलती या लापरवाही सामने आने पर कार्रवाई होगी। प्रमुख सचिव ने कहा कि शहरों में आपूर्ति संबंधित उपभोक्ता शिकायत निवारण का लक्ष्य 1 घंटे एवं देहात में 3 घंटे होना चाहिए। उन्होंने पुराने, खराब मीटर समय पर बदलने, नए कनेक्शन समय पर प्रदान करने, विजिलेंस रिकवरी समय पर लक्ष्य बना कर करने, आंकलित खपत के बिलों से मुक्ति, आरडीएसएस के कार्य नियमानुसार करने, 10 किलो वाट से अधिक भार वाले सभी उपभोक्ताओं के यहाँ एएमआर करने, सिंचाई कनेक्शन के संबंध में डीबीटी की सभी 15 जिलों में तैयारी करने और स्पेक माड्यूल के हिसाब से मेंटेनेंस डाटा तैयार रखने के निर्देश दिए।

अम्बाह नवागत सीएमओ शारिब कौसर ने किया मतदान केंद्रों का भ्रमण

केशब पंडित जी अम्बाह

अम्बाह... अम्बाह मैं त्रिस्तरीय पंचायत व नगरीय निकाय चुनाव को लेकर निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों अनुसार निर्वाचन के लिए अम्बाह नगर में भ्रमण कर 18 वार्डों के मतदान केंद्रों पर जाकर शारिब कौशर नवागत नगर पालिका सीएमओ ने भ्रमण कर। मतदान केंद्रों का जायजा लिया तदोपरान्त जो खामियां थी उनको दूर करने के लिए जो आवश्यक कार्य होने चाहिए उनके बारे जल्द से जल्द पूर्ण ब्यबस्था को सुधारने का काम अधीनस्थो करने को कहा जिसमें इंजीनियर केके दीक्षित, जावेद, लेखा पाल मुशीलाल इन्द्रबीर शर्मा अतरसिह रोहित, आदि अन्य कर्मचारी साथ मैं थे।

शांति व्यवस्था कायम रखने हेतु मुस्तेदी से तैनात गोहद चौराहा पुलिस

मोनू बाथम

गोहद। अग्निपथ योजना को लेकर युवाओ में फैली भांति के कारण आज सम्पूर्ण जिले में श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय के आदेश पर समस्त थाना प्रभारी अपने -अपने थाना क्षेत्र में मय बल के तैनात है इसी कड़ी में आज थाना प्रभारी गोहद चौराहा रविंद्र शर्मा मय बल के गोहद चौराहा , रेल्वे स्टेशन पर मुस्तेद रहे इस दौरान थाना प्रभारी एंडोरी नागेश शर्मा, थाना गोहद उप निरीक्षक ब्रजमोहन भदौरिया, उप निरीक्षक उपेन्द्र धाकड़, उप निरीक्षक सुनील शर्मा ह्यह्णद्ध का बल भी मौजूद रहा । इस दौरान ह्यस्त्रश्वश्च गोहद आर के एस राठौड़ भी उपस्थित आये और युवाओ से आव्हान किया कि किसी तरह कि अफवाओं पर ध्यान न दे अनुशासन में रहकर अपनी बात कहें । कोई भी अप्रिय घटना न हो इसलिये आपकी सुरक्षा में तैनात है पुलिस बल आप भी रहे सजक ,पुलिस को करे सहयोग---थाना प्रभारी गोहद चौराहा रविंद्र शर्मा।

थाना गोहद चौराहा पर युवाओ को बुला किया किया नगर सुरक्षा समिति में सम्मलित !

मोनू बाथम

अग्नीपथ योजना को लेकर फैले भ्रम को दूर करने तथा कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु आज श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय श्री शैलेंद्र सिंह चौहान जी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय कमलेश खरपुसे के निर्देशन में श्रीमान एसडीओपी ।महोदय श्री आर के एस राठौर जी द्वारा थाना प्रभारी गोहद चौराहा रविंद्र शर्मा व थाना प्रभारी नागेश शर्मा को साथ ले युवाओं की एक बैठक थाना गोहद पर बुलाई सभी युवाओं को अग्नीपथ योजना के संबंध में विस्तृत समझाया तथा अफवाओं पर ध्यान न देने ,किसी भी हिंसक भीड़ का हिस्सा न बनने तथा आस पास के युवाओं को किसी भी अवैधानिक गतिविधियों में सम्मिलित न होने के लिए प्रेरित करने हेतु समझाईश दी ।

प्रशासन तथा पुलिस पहुंची ग्राम महुरि का पुरा ग्रामीणों को मतदान हेतु किया प्रेरित

मोनू बाथम

गोहद विगत कुछ दिवस पूर्व ग्राम महुरि का पुरा के ग्रामीणजनो द्वारा पंचायत चुनाव के बहिष्कार की खबरें समाचार पत्रों में प्रकाशित हुई थी जिस पर स्वतः संज्ञान लेते हुए *श्रीमान एसडीएम महोदय श्री शिवम शर्मा जी श्रीमान एसडीओपी महोदय जी आरकेएस राठौर जी व थाना* *प्रभारी गोहद चौराहा निरीक्षक रविंद्र शर्मा अपनी* टीमो के साथ ग्राम माहुरी पूरा थाना एंडोरी पहुँचे ओर लोगो को एकत्रित कर उनकी समस्या को जाना ग्रामीणों द्वारा गांव तक पक्की सड़क पहुंच तथा स्कूल के आसपास अतिक्रमण हटाने तथा सफाई करने की समस्याएं बताई जिस पर उनको साफ सफाई कराने का आश्वासन दिया तथा अन्य कार्य आचार संहिता के पश्चात प्राथमिकता के साथ कराए जाने का आश्वासन दिया गया । ग्रामीण जनों द्वारा पुलिस तथा प्रशासन की टीम के आश्वासन का स्वागत किया गया ।

कलेक्टर श्री लवानिया ने जिले में पेट्रोल और डीजल आपूर्ति के संबंध में समीक्षा की

भोपाल। कलेक्टर अविनाश लवानिया की अध्यक्षता में जिले में पेट्रोल, डीजल की सभी पम्प पर उपलब्धता के संबंध में समीक्षा की। उन्होंने जिले में सभी पम्प पर डिपो से पेट्रोल, डीजल आपूर्ति के संबंध में दिए निर्देश।

बैठक में जिला आपूर्ति नियंत्रक श्रीमती ज्योति शाह नरवरिया, प्रबंधक आईओसीएल बकानिया वरवड़े डिपो, प्रबंधक एचपीसीएल हरीश डिपो, डिपो प्रबंधक रिलाईस निशित कुमार, सेल्स ऑफिसर एचपीसीएल संदीप कुमार, सेल्स ऑफिसर बीपीसीएल प्रदीप गैकवाड, अध्यक्ष पेट्रोलियम ऐसासिएशन अजय, सचिव पेट्रोलियम ऐसासिएशन नकुल शर्मा उपस्थित रहे।

कलेक्टर श्री लवानिया ने निर्देश दिए कि रिलायंस कंपनी के डिपो को प्रातः 7~00 बजे से रात्रि 11~00 बजे तक पेट्रोल, डीजल के टैंकर में सप्लाई करें जिससे सभी कंपनियों के पेट्रोल के टैंकर पूरे भरे जा सके तथा पंप पर सप्लाई हो सके। नायरा कंपनी के पेट्रोल डीजल पंप में 24 घंटे पर्याप्त संख्या में पेट्रोल, डीजल उपलब्ध कराएं तथा नायरा कंपनी के पेट्रोल, डीजल पंप पर 24 घंटे पेट्रोल, डीजल की आपूर्ति हो। निर्देशों का डीलर द्वारा पालन नहीं करने पर आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के अंतर्गत विभिन्न नियंत्रण आदेशों के तहत कार्यवाही करने के लिए जिला आपूर्ति नियंत्रक को निर्देशित किया गया। कलेक्टर श्री लवानिया ने कहा कि जिले में आवश्यकता होने पर एस्मा लगाने की कार्रवाई भी की जाएगी। इसी प्रकार जिओ कंपनी के पेट्रोल डीजल पंप पर भी टैंक की क्षमता अनुसार पेट्रोल, डीजल का स्टॉक बनाए रखने के लिए कंपनी के विक्रय अधिकारी को निर्देशित किया गया। पेट्रोल - डीजल आवश्यक सेवाओं की श्रेणी में है इन सेवाओं से किसी भी उपभोक्ताओं को वंचित नहीं किया जा सकता है और ना ही रोका जा सकता है किसी प्रकार के उल्लंघन पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

डिपो प्रबंधक, पेट्रोल, डीजल पंप संचालकों को निर्देशित किया कि वर्तमान में फसल सिचाई तथा स्थानीय एवं ग्राम पंचायतों के चुनाव हैं। पर्याप्त मात्रा में पेट्रोल, डीजल पम्पों पर टैंक की क्षमता अनुसार पेट्रोल, डीजल की आपूर्ति बनाये रखें। मांग के दृष्टिगत उपभोक्ता को पेट्रोल डीजल से वंचित करने, मुनाफाखोरी, जमाखोरी करने पर डीलरों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जाएगी। आईओसीएल, एचपीसीएल सार्वजनिक क्षेत्र की ऑयल कम्पनीयों के अधिकारियों द्वारा बताया गया कि प्रतिदिन मांग अनुसार पेट्रोल डीजल की आपूर्ति डिपो द्वारा की जा रही है।

भारत व हिंदुस्तान पेट्रोलियम के 16 पेट्रोल पंप सूखे

भोपाल। प्रदेश भर में पेट्रोल व डीजल आपूर्ति का संकट बरकरार है। इस संकट से राजधानी के पेट्रोल पंप भी अछूते नहीं रहे। राजधानी के 152 पंपों में से भारत व हिंदुस्तान पेट्रोलियम के 16 पेट्रोल पंप सूखे रहे। गुलमोहर, कोलार, संत हिरदाराम नगर, बैरसिया, खजूरीकलां सहित अन्य पंपों पर पेट्रोल व डीजल नहीं मिला। पेट्रोल-डीजल नहीं होने से लोग शहर के इंडियन आयल पेट्रोल पंपों पर पहुंचे। इससे इंडियन आयल के न्यू मार्केट नानके पेट्रोल पंप, बिट्टन मार्केट अरेरा सहित अन्य इंडियन आयल के पेट्रोल पंपों पर वाहनों की कतार लग गई। वहीं, प्रदेश के 3900 पेट्रोल पंपों में से 1000 पंप सूखे रहे। इनमें 90 प्रतिशत ग्रामीण क्षेत्र के इलाकों के पेट्रोल पंप शामिल हैं।प्रदेश में पेट्रोल व डीजल की किल्लत बनी हुई है। बता दें कि तेल कंपनियों का कहना है कि पेट्रोल पर 16 रुपये व डीजल पर 23 रुपये का प्रतिलीटर घाटा हो रहा है, जिससे कंपनियां 50 से 60 प्रतिशत ही पेट्रोल व डीजल की आपूर्ति प्रदेश भर में कर रही हैं। इस कारण पेट्रोल व डीजल की किल्लत बीते चार दिनों से निरंतर चल रही है।

चारधाम यात्रा के लिये ऑनलाइन पंजीयन

भोपाल। उत्तराखण्ड में चल रही चारधाम यात्रा के लिये पंजीकरण की प्रक्रिया को ऑनलाइन किया गया है। पंजीकरण में आने वाली समस्या समाधान के लिये टोल-फ्री नम्बर 01351364 भी जारी किया गया है।उत्तराखण्ड के सचिव दिलीप जावलकर ने बताया कि चारधाम यात्रा में अभी तक विदित हुआ है कि कतिपय श्रद्धालु बिना रजिस्ट्रेशन के आ रहे हैं और उन्हें धामों में दर्शन के लिये अत्यधिक इंतजार करना पड़ रहा है। इसके लिये उनके पास पर्याप्त संसाधन नहीं होते हैं।

शिक्षा के अधिकार अधिनियम के तहत आवेदन 30 जून तक

भोपाल। शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत शैक्षणिक सत्र 2022-23 में प्रायवेट स्कूलों की प्रथम कक्षा में निःशुल्क आरटीई में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन 30 जून तक किए जा सकेंगे। इस संबंध में आर.टी.ई पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन पत्र का प्रारूप उपलब्ध है। आवेदन के साथ पात्रता सम्बंधित कोई भी एक दस्तावेज अपलोड किया जाना होगा। आगामी 5 जुलाई को पारदर्शी तरीके से ऑनलाइन लॉटरी द्वारा छात्रों को निजी स्कूलों में सीट का आवंटन किया जायेगा।

21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

भोपाल। कलेक्टर अविनाश लवानिया ने निर्देश दिए है कि अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून को जिला मुख्यालय पर जिला स्तरीय सामूहिक योग का आयोजन किया जाएगा। इसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के संदेश का प्रसारण भी किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि राज्य स्तर से जारी कार्यक्रम अनुसार प्रातः 6:20 बजे सहभागीगण की उपस्थिति सुनिश्चित की जाएगी। प्रातः 6:30 से 6:40 बजे तक मुख्यमंत्री के संदेश का प्रसारण होगा। इसके तत्काल बाद प्रधानमंत्री जी के संदेश का प्रसारण प्रातः 7 बजे तक होगा। प्रातः 7 बजे से सामान्य योग अभ्यास किया जाएगा। जिले के स्कूलों एवं महाविद्यालय में योग दिवस के आयोजन के संबंध में स्कूल शिक्षा एवं उच्च शिक्षा विभाग द्वारा निर्देश जारी किये गए है।

अभियान का नाम सुझाएं - पुरस्कार पाएं

भोपाल। महिलाओं को गर्भावस्था, प्रसव पूर्व और प्रसव के बाद देखभाल एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन द्वारा जन-जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। एमपी माय गव ने सभी नागरिकों से आह्वान किया है कि वे अपना योगदान देने के लिए इस अभियान का एक सार्थक और उद्देश्यपूर्ण नाम सुझाएँ। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रतिभागी mp.mygov.in पर लॉग इन कर अपनी प्रविष्टि जमा कर सकते हैं। प्रतियोगिता में भाग लेने की अंतिम तिथि 30 जुलाई है।

पांच राज्यों के अफसर जल्द करेंगे मध्यप्रदेश का दौरा, समझेंगे बारीकियां

मप्र की ओबीसी ट्रिपल टेस्ट रिपोर्ट बनी नजीर, पांच राज्य मुरीद

भोपाल। मध्यप्रदेश की ओबीसी ट्रिपल टेस्ट रिपोर्ट नजीर बन गई है। देश के पांच राज्य इसके मुरीद हैं। महाराष्ट्र, गुजरात, तेलंगाना, हरियाणा और गुजरात अपने-अपने राज्यों में ओबीसी आरक्षण के लिए सुप्रीम कोर्ट की ओर से तय ट्रिपल टेस्ट रिपोर्ट के लिए मध्यप्रदेश की ओर देख रहे हैं।

दरअसल, इन राज्यों के अफसर मप्र पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग से संपर्क करके ओबीसी आरक्षण के लिए जरूरी रिपोर्ट तैयार करने के तरीके को समझना चाहते हैं। जल्द ही वहां के अधिकारियों का दल मध्यप्रदेश्श का दौरा कर रिपोर्ट की बारीकियां समझेगा। बता दें, मध्यप्रदेश में पंचायत व निकाय चुनाव में ओबीसी आरक्षण का पेच फंसा था। सुप्रीम कोर्ट ने ट्रिपल टेस्ट नहीं कराए जाने पर 10 मई को बिना ओबीसी आरक्षण के चुनाव कराने के निर्देश दिए थे।

हालांकि सरकार की मोडिफिकेशन रिट पर अदालत ने पिछड़ा वर्ग आयोग की रिपोर्ट मान्य करते हुए 18 मई को ओबीसी आरक्षण के साथ चुनाव कराने की अनुमति दी है। आयोग की रिपोर्ट में ओबीसी मतदाताओं की संख्या 48 प्रतिशत तक बताई गई थी, जिसके आधार पर 35 प्रतिशत आरक्षण देने की अनुशंसा की थी।

ट्रिपल टेस्ट के लिए ये करना था

पिछड़ा वर्ग को चुनाव में आरक्षण सुनिश्चित करने ट्रिपल टेस्ट जरूरी था। इसमें आयोग का गठन कर ओबीसी के पिछड़ेपन के स्वरूप और उसके कारणों का अध्ययन करना था। यह भी तय करना था कि आरक्षण का जो प्रावधान हो, वह आयोग की अनुशंसा पर हो। साथ ही कुल आरक्षण 50 प्रतिशत की सीमा से ज्यादा न हो। अब पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष गौरीशंकर बिसेन कहते हैं, अन्य राज्य भी हमारी तर्ज पर रिपोर्ट तैयार करने की कवायद कर रहे हैं।

आयोग ने ऐसे तैयार की थी रिपोर्ट

मप्र पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग के सचिव डॉ. सूरज खोदरे ने बताया, 5 माह में पंचायत, जनपद, जिला पंचायत समेत निकायों की वोटर लिस्ट का सर्वे कर रिपोर्ट बनाई। वर्ष 2009 व 2014 में हुए पंचायत-निकाय चुनावों में जीतने वाले ओबीसी वर्ग के उम्मीदवारों के आंकड़े को भी आधार बनाया।

कमलनाथ-दिग्विजय ने बढ़ाई भाजपा की मुश्किलें

नए चेहरों को जिताना बड़ी चुनौती

भोपाल। प्रदेश में नगर निकाय चुनाव के टिकटों को लेकर पार्टी नेताओं के बीच जमकर घमासान मचा रहा। पार्टी ने सभी नगर निगम के मेयर उम्मीदवार घोषित कर दिए गए हैं। सभी उम्मीदवारों को क्षेत्रीय नेताओं की गारंटी के आधार पर टिकट बांटे गए हैं। महापौर टिकट वितरण में भाजपा को सबसे ज्यादा परेशानी इंदौर, भोपाल, ग्वालियर को लेकर हुई है। इन शहरों के दिग्गज नेता अपने अपने समर्थक को शहर की सरकार में मुखिया के रूप में देखना चाहते हैं। वे लगातार पर्दे के पीछे से लॉबिंग कर रहे थे। यही वजह है कि टिकट फाइनल करने में प्रदेश भाजपा के पसीने छूट गए।

जिन शहरों पर मेयर उम्मीदवारों की संख्या ज्यादा थी। वहां पार्टी ने अपने तय मापदंडों के साथ साथ नए फॉर्मूले के तहत टिकट वितरण किया है। इसके तहत शहरों के जिन नेताओं ने उम्मीदवार को टिकट देने की सिफारिश की है, उन्हीं क्षेत्रीय नेताओं को प्रत्याशी को जिताने की जिम्मेदारी दी गई है। भोपाल में फंसे पेंच को निकालने के लिए इसी फॉर्मूले का इस्तेमाल किया गया। यहां प्रदेश सरकार में मंत्री विश्वास सारंग, विधायक रामेश्वर शर्मा और कृष्णा गौर को उम्मीदवार मालती राय को जिताने की गारंटी सौंपी गई है। मालती राय दो बार पार्षद का चुनाव हार चुकी हैं। बावजूद इसके विधायक मालती राय को ही टिकट देने पर अड़े रहे। सबसे ज्यादा खींचतान इंदौर के टिकट को फाइनल करने को लेकर दिखी। यहां से डॉ. निशांत खरे को टिकट देने की पैरवी खुद मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान कर रहे थे। हालांकि उन्होंने विकल्प के तौर पर मधु वर्मा के नाम पर विचार करने का सुझाव दिया था। लेकिन पार्टी के अंदरूनी विरोध और राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय के असहमत होने से बात नहीं बन सकी।

इसी बीच एबीवीपी से भाजपा में आए पुष्यमित्र भार्गव का नाम प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने प्रस्तावित किया। इसके बाद फिर इंदौर के क्षेत्रीय नेताओं और विधायकों के साथ भोपाल में मंत्रणा की गई। फिर से बैठक कर आम सहमति बनाने का प्रयास किया गया। अंत में विजयवर्गीय समेत अन्य नेताओं की सहमति के बाद भार्गव का नाम लगभग तय किया गया। भार्गव हाई कोर्ट में अतिरिक्त महाधिवक्ता हैं। उन्होंने चुनावी मैदान में उतरने के लिए अतिरिक्त महाधिवक्ता पद से इस्तीफा दे दिया है। पुष्यमित्र युवा, नया चेहरा और ब्राह्मण होने के कारण पार्टी और संघ की पसंद हैं। क्योंकि कांग्रेस ने इंदौर सीट से क्षेत्र क्रमांक एक के विधायक संजय शुक्ला को मैदान में उतारा है।

इधर, सागर से संगीता तिवारी को जिताने की जिम्मेदारी नगरीय विकास और आवास मंत्री भूपेंद्र सिंह के कंधों पर है। कटनी में पूर्व मंत्री संजय पाठक के समर्थक और रेत कारोबारी विनय दीक्षित की पत्नी ज्योति दीक्षित को टिकट दिया गया है। रीवा से पूर्व मंत्री राजेंद्र शुक्ला की गारंटी पर प्रबोध व्यास को मैदान में उतारा गया है। सामान्य सीट सिंगरौली पर ब्राह्मणों की नाराजगी के बावजूद ओबीसी उम्मीदवार मैदान में उतारा गया है। यहां से विधायक रामलल्लू वैश्य की सिफारिश पर चंद्र प्रताप विश्वकर्मा को टिकट दिया गया है। खंडवा से उम्मीदवार अमृता यादव को जिताने की जिम्मेदारी सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल और विधायक देवेंद्र वर्मा ने ली है।

सबसे ज्यादा परेशानी ग्वालियर में आई

भाजपा को सबसे ज्यादा मुश्किल ग्वालियर में आई। यहां केन्द्रीय मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर और ज्योतिरादित्य सिंधिया के बीच प्रत्याशी को लेकर सहमति नहीं बन पा रही है, इसलिए बिलकुल अंत में सुमन शर्मा को नाम तय हो पाया। सुमन, तोमर की समर्थक हैं, उन्होंने ही उनका नाम आगे बढ़ाया। हालांकि पहले तोमर मायासिंह को टिकट दिलाना चाहते थे, लेकिन भाजपा के क्राइटऐरिया के कारण उन्हें टिकट नहीं मिल पाया। उनकी उम्र71 साल हो गई है। सुमन शर्मा ने अभी तक कोई चुनाव नहीं जीता है। वह एक बार पार्षद का चुनाव लड़ी हैं, वह भी हार गई थीं।

भाजपा मेयर कैंडिडेट मालती ने भरा नामांकन सीएम शिवराज के साथ निकाली रैली

भोपाल। भाजपा मेयर कैंडिडेट मालती राय ने आज नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन भरने से पहले शुकव्रार को सबसे पहले मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ मालती राय ने कर्फ्यू वाली माता मंदिर में दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इसके बाद वे वहीं सभा में पहुंचे।

सभा को संबोधित करते हूए मालती राय ने दो प्रमुख संकल्प लिए। उन्होंने कहा कि वे भोपाल नगर निगम को भ्रष्टाचार मुक्त बनाएंगी। साथ ही स्वच्छता अभियान में भोपाल को नम्बर वन बनाएंगी। सभा को सीएम शिवराज ने भी संबोधित किया।

इसके बाद मालती राय और सीएम शिवराज के साथ नामांकन भरने कलेक्ट्रेट के लिए रवाना हुई। ढोल-नगाड़े और रंग और पुष्पवर्षा के साथ रैली आगे बढ़ रही है। रैली में महापौर प्रत्याशी मालती राय के साथ सीएम शिवराज, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा सहित अन्य नेता शामिल हुए हैं। रोड शो के बीच में सीएम शिवराज और प्रदेशाध्यक्ष वीडी शर्मा उतर गए। इसके बाद मालती राय समर्थकों के साथ कलेक्ट्रेट पहुंची।

लगातार निरस्त होने से उड़ानें बंद होने का खतरा

इंदौर। देवी अहिल्याबाई होलकर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से लगातार उड़ानों के निरस्त के होने के बाद शहर का कुछ शहरों से कनेक्शन टूटने का खतरा बन गया है। निजी उड़ान कंपनी इंडिगो बीते कुछ दिनों से लगातार अपनी उड़ानें निरस्त कर रही है। हालांकि इंदौर से सबसे अधिक उड़ानों का संचालन भी इंडिगो ही करती है। इंडिगो बीते कई दिनों से इंदौर से अहमदाबाद, प्रयागराज, रायपुर,जबलपुर उड़ान को निरस्त कर रही है। इसके अलावा स्टार एयर अपनी बेलागावी और किशनगढ़ उड़ान को भी निरस्त कर रही है। उड़ान कंपनी इसके पीछे आपरेशनल कारणों का हवाला देती है, जबकि सूत्रों का कहना है कि यात्रियों की कमी से उड़ानों को निरस्त कर दिया जाता है।

इंडिगो इन दिनों किसी भी उड़ान में कम यात्री होने सीधे उड़ान को निरस्त कर देती है। इन यात्रियों को रिफंड देने के साथ रिबुकिंग या किसी दूसरी उड़ान में एडजस्ट करने का विकल्प दे दिया जाता है। इस तरह से कंपनी अपने खाली उड़ान चलने के घाटे को बचा लेती है, लेकिन किसी शहर के लिए लगातार कम यात्री मिलने से कंपनी उस उड़ान को ही बंद देती है और उस विमान को किसी फायदे वाले सेक्टर में चला देती है। हाल ही में कंपनी ने इंदौर से जयपुर के बीच चलने वाली अपनी एक उड़ान को बंद कर दिया है। ट्रेवल एजेंटों का कहना है कि चूकिं अब बारिश का समय आ गया है। टूरिज्म पर इसका असर पड़ता है। बच्चों के स्कूल खुल जाते है, जिसके बाद केवल कारपोरेट और बिजनेस ट्रेवलर की संख्या अधिक होती है।

मासूम की मौत के बाद चेता विभाग, जंगली सूअर व सियार से सुरक्षा के लिए तैनात किए वनकर्मी

भोपाल। वन्य प्राणी के हमले में बच्चे की मौत के बाद भोपाल सामान्य वन मंडल ने सेना की द्रोणांचल कालोनी क्षेत्र में वनकर्मियों की तैनाती कर दी है। ये कर्मी इलाके के नागरिकों की जंगली सूअर व सियार समेत अन्य वन्यप्राणियों से सुरक्षा करेंगे। वन्यप्राणियों को आबादी से दूर खदेड़ने के लिए इस क्षेत्र में गुरुवार रात को पटाखे भी चलाए गए। वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि ट्रैप कैमरे लगाने के लिए स्थान चिन्हित किए जा रहे हैं। जरूरत पड़ने पर पिंजरे लगाए जाएंगे। सामान्य वन मंडल ने घटना के बाद समरधा रेंजर शिवपाल पिपरदे को क्षेत्र में सुरक्षा की जिम्मेदारी दी है। राजस्व विभाग के अमले को भी सतर्क किया गया है।

ये अनदेखी हो सकती है मौत की वजह

वन्यप्राणी विशेषज्ञ रमाकांत दीक्षित का मानना है कि रात में वन्यप्राणियों का विचरण बढ़ जाता है। खासकर जंगली सूअर व सियार इसी समय में घूमते हैं। ऐसे समय में किसी को अकेले बाहर जाने या कम से कम बच्चों को तो बाहर जाने की इजाजत बिल्कुल नहीं देनी चाहिए।

कांग्रेस प्रत्याशी विभा पटेल ने दाखिल किया नामांकन, साथ में रहे कमलनाथ

भोपाल। भोपाल से कांग्रेस की महापौर प्रत्याशी विभा पटेल ने शुक्रवार को दापेहर नामांकन पत्र दाख्लि कर दिया। इस दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ उनके साथ में रहे। पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी विधायक पीसी शर्मा, आरिफ मसूद सहित अन्य वरिष्ठ नेता भी साथ में साथ रहे। इस दौरान कमलनाथ ने कहा कि जनता के सामने कई मुद्दे हैं। बेरोजगारी, महंगाई चरम पर है जनता सब समझ रही है। भाजपा की मुद्दों से भटकाने की राजनीति का इस चुनाव में वह मुंहतोड़ जवाब देगी।

5 साल में दिखाई देंगे 28.3 लाख हेक्टेयर भूमि में विशाल जंगल

2030 तक संवर जाएंगे प्रदेश के बिगड़े वन

वन समितियों के सहयोग से अब तक सुधारे जा चुके 4.31 लाख हेक्टेयर क्षेत्र

भोपाल। प्रदेश का 36 लाख हेक्टेयर बिगड़ा वन क्षेत्र आगामी 8 वर्ष में संवर जाएगा। यह बीड़ा उठाया है मप्र वन विभाग ने। तय समय सीमा में कार्य पूरा करने के लिये विभाग द्वारा आगामी वर्षों में करीब ड़ेढ़ लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सालाना पौध रोपण की योजना बनाई है।

दरअसल बॉन चैलेंज के तहत 2030 तक भारत 2 करोड़ 60 लाख हेक्टेयर बंजर भूमि को ठीक करेगा है। पहले चरण में मध्य प्रदेश के अलावा महाराष्ट्र, नागालैंड, हरियाणा और कर्नाटक को शामिल किया गया है। इसमें मप्र में स्थित बिगड़े वनों का 28.3 लाख हेक्टेयर क्षेत्र भी शामिल है। जिसे वर्ष 2030 तक संवरे वनों की श्रेणी में लाने का प्रयास शुरू किया गया है। इसके तहत वन समितियों के सहयोग से करीब 4.31 लाख हेक्टेयर क्षेत्र की तस्वीर बदली जा चुकी है। यही वजह है कि बीते दो वर्षों में वन क्षेत्रफ ल का रकवा बढ़ा है। भारतीय वन सर्वेक्षण की रिपोर्ट इसकी पुष्टि करती है। क्योंकि 2019 में मध्य प्रदेश का वन क्षेत्र 77,482 वर्ग किमी था। यह 2021 में बढ़कर 77,493 वर्ग किमी हो गया है।

जमीन घटी पर बढ़ा वन क्षेत्र

बीते 2005 साल से वन विभाग की भूमि जहां लगातार कम हुई है, वहीं दूसरी ओर वन क्षेत्र बढ़ा है। आंकलन इसी से किया जा सकता है कि प्रदेश की करीब साढ़े तीन लाख हेक्टेयर भूमि चली गई है। जिसमें 3 लाख 14 हजार हेक्टेयर भूमि वनाधिकार कानून और अतिक्रमण में चली गई है। जबकि 1 लाख 71 हजार भूमि विभिन्न विकास कार्यों के लिये प्रदान की गई। बावजूद इसके भारतीय वन सर्वेक्षण की रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश में एक लाख 48 हजार हेक्टेयर वन क्षेत्र बढ़ा है।

हर साल औसतन रोपे जाते हैं 5 करोड़ पौधे

प्रदेश में औसतन 5 करोड़ पौधे रोपित होते हैं। वन विभाग और वन विकास निगम के संयुक्त तत्वाधान में यह किया जाता है। यदि बात 2016-17 से 20-21 के बीच 32.72 लाख पौधे रोपे गये हैं। इनमें 2016-17 में 6.40 लाख, 2017-18 में 7.41 लाख, 2018-19 में 7.07 लाख, 2019-20 में 6.27 लाख और 2020-21 में 5.55 लाख पौधे लगाये गए हैं।

क्या है बॉन चैलेंज

दस साल पहले कई देशों के प्रतिनिधि जर्मन शहर बॉन में मिले थे। इस बैठक में काटे गए जंगलों को फिर पुर्नस्थापित करने का संकल्प लिया गया। इसे बॉन चैलेंज नाम से जाना जाता है। यही कारण है कि यूएनओ द्वारा वन पुर्नस्थापना दशक चलाया जा रहा है।

ट्रैफिक जवानों ने वसूले पांच लाख बाद में छोड़ा युवक को, निलंबित

भोपाल। प्रदेश के जबलपुर शहर के क्राइम ब्रांच और यातायात थाने में पदस्थ चार जवानों की करतूत ने गुंडों-मवालियों की हरकतों को भी पीछे छोड दिया है। जवानों ने मोबाइल एसेसरीज कारोबारी के कर्मचारियों से मारपीट की और 50 हजार रुपये लूट लिए। इससे भी जी नहीं भरा तो उसे गोदाम में बंद कर दिया। कर्मचारियों को छोड़ने के लिए कारोबारी से आठ लाख रुपये की मांग की। इसके बाद पांच लाख रुपये में सौदा तय हुआ। एक जवान ने उक्त रकम नौदराब्रिज स्थित मुन्ना पान दुकान में पहुंचाने के लिए कहा। पांच लाख रुपये वहां पहुंचने के बाद गोदाम में बंधक बने कर्मचारियों को छोड़कर पुलिस जवान वहां से चले गए।

जबलपुर से कांग्रेस के महापौर प्रत्याशी अन्नू ने भरा मुहूर्त के हिसाब से फॉर्म

जबलपुर। कांग्रेस के जगतबहादुर सिंह 'अन्नू' ने अपना डमी ओवदन फार्म प्रस्तुत किया। यह आवेदन मुहूर्त के अनुसार रहा। वास्तविक आवेदन को लेकर कांग्रेस में असमंजस की स्थिति रही। पहले पार्टी 17 जून यानी आज फार्म जमा कराना चाहती रही, लेकिन अब वो अन्नू का फार्म अंतिम दिन यानि कल 18 जून को जमा कराने वाली है।चुनाव मैदान में हाथ आजमाने वाले, सफलता हासिल करने के लिए छोटी से छोटी बात को लेकर बहुत संवेदनशील रहते हैं। खास कर गृह-नक्षत्र, चौघड़िया और मुहूर्त को लेकर। सनातन को मानने वाले राजनेता अपनी नाम राशि के हिसाब से काम की शुरूआत करते हैं। इसी कड़ी में कांग्रेस के महापौर प्रत्याशी जगतबहादुर सिंह 'अन्नू' ने अपने गृह-नक्षत्रों के हिसाब से गुरूवार को अपना नाम निर्देशन पत्र जमा कराया। उनके साथ अधिवक्ता सत्येंद्र ज्योतिषी और उनके बेटे जय आदित्य सिंह सहित गिने-चुने कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

महापौर प्रत्याशी श्रीमती सुमन शर्मा ने जिला निर्वाचन अधिकारी के समक्ष नामांकन प्रस्तुत किया

मुख्यमंत्री श्री चौहान, प्रदेशाध्यक्ष श्री शर्मा, वेंद्रीय मंत्रीद्वय श्री तोमर, श्री सिंधिया समेत अन्य वरिष्ठ नेतागण उपस्थित रहे

ग्वालियर। ग्वालियर नगर निगम चुनाव में महापौर पद की लेकप्रिय भाजपा प्रत्याशी श्रीमती सुमन शर्मा ने आज अपना नामांकन जिल निर्वाचन अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से मप्र के लेकप्रिय मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान, प्रदेशाध्यक्ष श्री वीडी शर्मा, केंद्रीय मंत्री द्वय श्री नरेंद्र सिंह तोमर, श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, सांसद श्री विवेक शेजवल्कर, भाजपा राश्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य श्री जयभान सिंह पवैया, प्रदेश सरकार के मंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा, उर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, श्री भारत सिंह कुशवाह, पूर्व मंत्री श्री अनूप मिश्रा, जिलध्यक्ष श्री कमल माखीजानी सहित अन्य वरिश्ठ नेतागण उपस्थित थे।

भाजपा नेताओं ने मुख्यमंत्री एवं प्रदेश अध्यक्ष की अगवानी की

प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान एवं प्रदेश अध्यक्ष श्री वीडी शर्मा जी का राजमाता विजयाराजे सिंधिया हवाई अड्डे पर भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने अगवानी की।

इस अवसर पर सांसद श्री विवेक शेजवल्कर, भाजपा जिलध्यक्ष श्री कमल माखीजानी, श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, श्री भारत सिंह कुशवाह, श्री अनूप मिश्रा, श्री अरूण चतुर्वेदी, श्री जयप्रकाश राजौरिया ने पुश्पमाल पहनाकर उनका आत्मीय स्वागत किया।

कांग्रेस वक्ताओं ने कहा-जीत के समर्पण भाव से जुटें कार्यकर्ता

वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने किया चुनाव कार्यालय का उद्घाटन

ग्वालियर। कांग्रेस पार्टी से महापौर पद की उम्मीदवार श्रीमती डॉ.शोभा सतीश सिकरवार के चुनाव कार्यालय का उद्घाटन वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने कुंद्दन गेस्ट हाऊस पड़ाव पर किया। इस मौके पर पूर्व मंत्री भगवान सिंह यादव, पूर्व मंत्री बालेन्दु शुक्ल, पूर्व मंत्री व विधायक केपी सिंह 'कक्का, वरिष्ठ नेता चन्द्रमोहन नागौरी, प्रदेश कांग्रेस के महासचिव सुनील शर्मा, कार्यकारी अध्यक्ष चतुर्भुज धनौल्यिा, वीर सिंह तोमर, प्रेमनारायण यादव, पूर्व नेता प्रतिपक्ष .ष्णराव दीक्षित, वरिष्ठ नेता हरिओम शर्मा, इंटक नेता रतीराम यादव, विधायक डॉ.सतीश सिकरवार एवं महापौर पद की उम्मीदवार डॉ.शोभा सिकरवार मंचासीन रहे।

चुनाव कार्यालय उद्घाटन अवसर पर उपस्थित कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि जनमानस में एक ही चर्चा है कि कांग्रेस चुनाव जीत रही है। इस वातावरण को बनाए रखने के लिए हम सबको एकजुट होकर सभी वार्डों में महापौर और पार्षद प्रत्याशी जिताने के लिए पूरी ताकत लगाना है। वक्ताओं ने कहा कि उपचुनाव के नतीजों के बाद कांग्रेस में जो मजबूती आई है उसे और आगे बढ़ाने के लिए हमें नगर निगम चुनाव जीतना है। हर कार्यकर्ता को अपना चुनाव समझकर मैदान में काम करना है। नगर निगम चुनाव 2023 और 2024 का सेमीफाईनल है और इसे जीतने के संकल्प को पूरा करना है। वक्ताओं ने कहा कि कांग्रेस उम्मीदवार डॉ.शोभा सिकरवार तीन बार की पार्षद हैं। उन्हें निगम में काम करने का अनुभव है। शहर के विकास को और गति देने के लिए कांग्रेस की परिषद बने और महापौर जीते इस उद्देश्य को लेकर काम करना है।

इस मौके पर महापौर उम्मीदवार डॉ.शोभा सिकरवार ने अपने उद्बोधन में कहा कि कांग्रेस पार्टी ने जो भरोसा जताया है उस पर मैं पूरी तरह खरी उतरूंगी और शहर के विकास और प्रगति के कार्यो में कोई कसर नहीं छोड़ूंगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का हर समर्पित कार्यकर्ता जीत के प्रति आशान्वित है और इस माहौल को बनाए रखना है। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ नेता और कार्यकारी अध्यक्ष महाराज सिंह पटेल ने किया। इससे पहले वरिष्ट नेताओं ने चुनाव कार्यालय का फीता काटकर विधिवत उद्घाटन किया।

मुख्यमंत्री शिवराज जी ने अभय चौधरी के निवास पर पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त की

ग्वालियर। मुख्यमंत्री श्री षिवराज सिंह चौहान, प्रदेष अध्यक्ष श्री वीडी शर्मा, केंद्रीय मंत्रीद्वय श्री नरेंद्र सिंह तोमर, श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आज ग्वालियर प्रवास के दौरान भाजपा के वरिष्ठ नेता श्री अभय चौधरी के निवास शांतिनगर, नई स?क पर जाकर उनकी पत्नी श्रीमती मीना चौधरी के निधन पर शोक व्यक्त किया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष कमल माखीजानी, वरिष्ठ नेता श्री अरूण कुलश्रेष्ठ, विनय जैन, सुनील श्रीवास्तव, महेंद्र श्रीवास्तव सहित अनेक वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित थे।

आर्यिकाश्री 05 जुलाई को सोनागिर से ग्वालियर के लिए करेगी विहार, 10 को प्रवेश होगा

आर्यिकाश्री को सोनागिर पहुँचकर ग्वालियर चतुर्मास के लिए किया श्रीफल भेंट, आर्यिकाश्री ससंघ का ग्वालियर चतुर्मास मिलते ही खुशी से गूँजउठे जयकारे

ग्वालियर- जैन सिध्दक्षेत्र सोनागिर स्थित भट्टारक कोठी में विराजित गणाचार्य विराग सागर महाराज की परम शिष्या श्रमणी आर्यिकाश्री विरम्या श्रीमाताजी एवं श्रमणी आर्यिकाश्री विसंयोजना श्रीमाताजी ससंघ का 2022 का भव्य चतुर्मास ग्वालियर स्थित मामा का बाजार स्थित दिगंबर जैन ऋषभ धर्मशाला में करने की भावना लेकर शुक्रवार को वात्सल्य मयी चतुर्मास 2022 समिति ग्वालियर, सकल दिगम्बर जैन समाज, श्री दिगंबर वरैया जैन पार्श्वनाथ पंचायती बड़ा मंदिर मामा का बाजार, एवं श्री श्रमण संस्कृति परमार्थ संस्थान ग्रेटर ग्वालियर के समाजजनो ने पहुँचकर ग्वालियर चतुर्मास के लिए श्रीफल भेंटकर आमंत्रित किया। जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि वात्सल्य मयी चतुर्मास 2022 समिति ग्वालियर, की एक टीम शुक्रवार को सोनागिर में विराजित श्रमणी आर्यिकाश्री विरम्या श्रीमाताजी एवं श्रमणी आर्यिकाश्री विसंयोजना श्रीमाताजी ससंघ के चरणों मे ग्वालियर में 2022 के चतुर्मास करने के लिए सुशील कुमार जैन, जवाहर लाल जैन, प्रकाश चंद जैन,सुरेशचंद जैन, राजकुमार जैन, एवं अनुपमा जैन सुरत्न, चंद्रकला जैन, नीतू जैन, सुनयना जैन, रेखा जैन आदि ने निवेदन के साथ श्रीफल भेंटकर आमंत्रित किया। आर्यिकाश्री संसघ को अनुपमा जैन सुरत्न ने पंक्तियों के मध्य से चातुर्मास की विनती की।

संक्षिप्त समाचार

फिजिकल क्लबों को संबंधित एसडीएम से अनुमति लेना अनिवार्य

ट्रेनिंग लेने वाले छात्रों की सम्पूर्ण जानकारी संबंधित थाने में देना होगी

ग्वालियर। ग्वालियर जिले में संचालित समस्त फिजिकल क्लब बिना सक्षम अनुमति के संचालित नहीं हो सकेंगे। ऐसे क्लबों को क्षेत्रीय एसडीएम कार्यालय से अनुमति लेना अनिवार्य होगा। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने एक आदेश जारी कर क्लबों को अनुमति देना अनिवार्य किया है।

कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने अपने आदेश में कहा है कि फिजिकल क्लबों के संचालन एवं ट्रेनिंग देने वाले छात्रों के कतिपय अवांछनीय/अराजक गतिविधियों में सम्मलित होने की सूचना प्राप्त हो रही थी। ऐसी स्थिति में सभी फिजिकल क्लबों को संबंधित एसडीएम से अनुमति लेने के साथ ही थाना प्रभारियों को सम्पूर्ण जानकारी देने के लिए प्रतिबंधित किया है।

समस्त क्लबों को तीन दिवस के अंदर विधिवत आवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही फिजिकल क्लब, ट्रेनिंग प्राप्त करने वाले छात्रों की जानकारी संबंधित एसडीएम के साथ-साथ थाना प्रभारी को भी अनिवार्यतः प्रस्तुत करेंगे। कलेक्टर श्री सिंह ने बताया कि उक्त आदेश का उल्लंघन पाए जाने पर धारा-188 के तहत दण्डनीय कार्रवाई होगी।

व्यय लेखा के लिये नोडल अधिकारी नियुक्त

ग्वालियर। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगरीय निकाय आम निर्वाचन कार्यक्रम जारी किया गया है। निर्वाचन कार्य सुगमता से कराए जाने हेतु सहायक संचालक पेंशन श्री दीपक पाठक मोबा. 9098428409 को व्यय निगरानी दल का नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने एक आदेश जारी कर पूर्व में नियुक्त नोडल अधिकारी संयुक्त संचालक पेंशन संभागीय कार्यालय श्री एस के मौर्य के आदेश को संशोधित करते हुए श्री दीपक पाठक को नोडल अधिकारी नियुक्त करने के आदेश जारी किए हैं।

नाम निर्देशन-पत्रों की संवीक्षा 20 जून को

ग्वालियर। नगरीय निकाय निर्वाचन-2022 में नाम निर्देशन-पत्रों की संवीक्षा 20 जून को सुबह 10:30 बजे से होगी। संवीक्षा के दौरान अभ्यदर्थी, अभ्यकर्थी का निर्वाचन अभिकर्ता (यदि कोई हो), अभ्ययर्थी का कोई एक प्रस्ताावक और अभ्य र्थी द्वारा लिखित में प्राधिकृत कोई अन्य व्यात्कि उपस्थित रह सकते हैं।

मुनिश्री ने 21 फुट ऊंची भगवान शांतिनाथ का अभिषेक कराया

व्यक्ति को अपने परिश्रम का निष्कर्ष निकालना चाहिए-मुनिश्री

ग्वालियर-ः व्यक्ति सुख से रह सके यह संभव नहीं है। वह चाहे अमीर हो या गरीब! व्यक्ति को अपने परिश्रम का निष्कर्ष निकालना चाहिए। दुख से सुख में जाने के प्रयास की बजाय दुर्गुणों से सद्गुणों, बुराई से अच्छाई, पाप-पुण्य की ओर जाने का जतन करना चाहिए। दुख से सुख में जाने में सफलता मिले, यह जरूरी भी नहीं है, लेकिन दुर्गुणों से सद्गुणों में आ गए तो कोई आपको दुखी कर ही नहीं सकता है। यह विचार श्रमण मुनिश्री विनय सागर महाराज ने आज शुक्रवार को गेंडेवाली वाली स?क स्थित दिगंबर जैन नसिया मंदिर में संबोधित करते हुए कही! मुनिश्री ने कहा कि यदि जीवन में दुख है तो दुर्गुणों की वजह से है, वह अभिमान, क्रोध, छल कपट, स्वार्थ या लालच के रूप में होते हैं। व्यक्ति क्रोध से क्षमा की ओर चला जाए वह अनंत असीम आनंद की उपलब्धि प्रदान करता है। सुख को भी दो प्रकार का होना बताते हुए मुनिश्री ने कहा एक सुख साधनों से मिलता है, एक सुख साधना से मिलता है।

मुनिश्री ने 21 फुट ऊँचे भगवान शांतिनाथ के किए दर्शन, मंत्रो से अभिषेक व कराई शांतिधारा

जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि श्रमण मुनिश्री विनय सागर महाराज सुबह गेंडेवाली स?क स्थित दिगंबर जैन नसिया मंदिर पहुंचे। भगवान शांतिनाथ की मनोहारी 21 फुट ऊंची विशाल खड्गासन प्रतिमा का मुनिश्री में मंत्रो का उच्चारण कर जैन समाज के लोगो ने पीले वस्त्र धारण कर जयकारों के साथ कलशों से अभिषेक किया । मुनिश्री ने शांतिनाथ के मस्तक पर शांतिधारा कराई।

मुनिश्री विनय सागर प्रवक्ता के निवास पर पधारे, गाए भजन उतारी आरती

शुक्रबार की सुबह श्रमण मुनिश्री विनय सागर महाराज ससंघ जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन आदर्श कलम निवास वृज विहार कालोनी पहुँचे! मुनिश्री विनय सागर महाराज गुरुदेव के चरणों का पदप्रच्छलन कर अर्घ्य समर्पित किया! गुरुवर आज मेरी कुटिया में आए है...गुरुवर की कृपय जिस पर हो जाये मौज उ?ाए..मेरे सिर पर रखा दो गुरुवर अपने हाथ...भजनों के साथ नृत्य करते हुए भव्य दीपो से आरती उतारी!

मन की खुशी सदगुणों पर ही निर्भर है

मुनिश्री ने कहा कि मन खुश है तो तन भी स्वस्थ है। मन को खुश रखने के लिए विवेक, प्रेम, परमार्थ, स्वार्थरहित परोपकार से, सेवा से जुड़ा होना तथा प्रेम से भरपूर रखना जरूरी है। मन की खुशी सदगुणों पर ही निर्भर है। अच्छाइयां यदि व्यक्ति के पास हों तो झोपड़ी में रहने वाला भी महलों जैसा आनंद प्राप्त कर सकता है। मुनिश्री ने कहा कि बुरा करने वाले का भगवान भी भला नहीं कर सकता है और भला करने वाले का भगवान बुरा नहीं होने देते हैं।

अपनी गलती को तत्काल स्वीकार करें

मुनिश्री ने कहा कि यदि आपसे कभी कोई त्रुटि हो जाए, तो उसे तत्काल स्वीकार कर लेना चाहिए। एक झूठ को दबाने के लिए सौ झूठ बोलना प?ते हैं, जिससे शक्ति का अपव्यय होता है। गलती स्वीकार करने वाला कभी परेशान नहीं होता। साथ ही उसका काम भी बिना किसी रुकावट के पूरा हो जाता है। सत्य बोलने से व्यर्थ की चिंताओं से मुक्ति मिलती है। इसलिए हमें अपनी गलतियों को, बुराइयों को स्वयं ही देखने का अभ्यास करना चाहिए।

भाजपा नेताओं का जगह-जगह स्वागत हुआ

ग्वालियर। विभिन्न मोर्चों ने भाजपा नेतागणों का मंशापूर्ण हनुमान मंदिर से जिल निर्वाचन कार्यालय तक रास्ते में जगह-जगह भव्य स्वागत किया। युवा मोर्चा ने राजमाता चौराहे, सिटी सेंटर पर युवा मोर्चा जिलध्यक्ष श्री प्रतीक तिवारी के नेतृत्व में, पिछड़ा वर्ग मोर्चा ने मोटल तानसेन पर पिछडा वर्ग मोर्चा जिलध्यक्ष मुलायाम सिंह यादव के नेतृत्व में।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलेनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130 नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478